NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 231 लखनऊ, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

अयोध्या, काशी के बाद अब फोकस मथुरा-वृंदावन पर- योगी आदित्यनाथ

पहले कोई जय श्रीराम भी कह दे तो सपा, बसपा, कांग्रेस वाले चलवा देते थे लाठी-गोली योगी

संवाददाता

लखनऊ। मथुरा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या और काशी के बाद अब मथुरा और वृंदावन पर सरकार का पूरा फोकस है। उन्होंने कहा कि मथुरा–वृंदावन में विकास की गति को और तेज किया जाएगा। उन्होंने न्यायालयों में चल रहे मामलों में भी जीत मिलने की उम्मीद जताई। साथ ही कांग्रेस और इंडी गठबंधन के लोगों को चेतावनी भी दी कि मातृ शक्ति का अपमान करने वालों को पूरा देश सबक सिखाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

मथुरा राधा रानी और यमुना मइया की भूमि है। यहां मातृशक्ति पर ओछी टिप्पणी करने वालों को भगवान भी बचा पाएंगे या नहीं, इसमें भी संदेह है। मुख्यमंत्री गुरुवार को यहां सेठ बी.एन. पोद्दार इण्टर कॉलेज मैदान में आयोजित विजय संकल्प नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने वर्तमान सांसद और बीजेपी की ओर से लोकसभा प्रत्याशी हेमा मालिनी के पक्ष में प्रचार किया। मुख्यमंत्री योगी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 साल के कार्यकाल की उपलब्धियां भी गिनाईं।राजनीति करने लायक नहीं रहेंगे इंडी गठबंधन वालेमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्तमान सांसद हेमा मालिनी को तीसरी बार प्रतिष्ठित मथुरा सीट से नामांकन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तीसरी बार हेमा जी यहां से प्रत्याशी बनी हैं तो दूसरी पार्टियों के पास प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिल रहे। उन्हें उधार में प्रत्याशी लेने पड़ रहे हैं और जब उधार में भी नहीं मिल रहे तो कांग्रेस के नेता अपना आपा खो चुके हैं। मातृ शक्ति पर अपमानजनक टिप्पणी करके आधी आबादी का अपमान करने पर उतारू हो चुके हैं। मगर इंडी गठबंधन वालों को जानकारी होनी चाहिए कि ये राधे रानी और यमुना मइया की भूमि है। अगर आधी आबादी का अपमान करोगे तो पूरा भारत ऐसा सबक सिखाएगा कि राजनीति करने लायक नहीं रहोगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, मगर इसका मतलब ये नहीं कि हम मातृशक्ति का अपमान करे।

हार की हताशा में कांग्रेस के नेता कर रहे अमर्यादित आचरण – ब्रजेश पाठक

मोहब्बत की दुकान में कांग्रेसी बेच रहे जहरीला सामान - ब्रजेश पाठक

लखनऊ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गुरुवार को प्रदेश मुख्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत द्वारा प्रधानमंत्री जी का सिर फोड़ने की बात कहना अत्यंत निंदनीय और आपत्तिजनक है। जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं कांग्रेस के नेता उतने ही निम्न स्तर पर

उतरकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।उपमुख्यमंत्रीब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जनता का भरोसा बढ़ता ही जा रहा है, जिसे देखकर कांग्रेस पार्टी के नेता अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। कांग्रेस नेता एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए पुनः घटिया और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया है। ईर्ष्या और द्वेष से प्रेरित कांग्रेस का बयान भारतीय राजनीति के लिए दुखद संकेत है। कहा कि कांग्रेस नेता चरण दास महंत ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी से मुकाबला करने के लिए 'ऐसा व्यक्ति चाहिए, जो लाठी मार कर उनका सर फोड़ सके।' दरअसल इनके नेता राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान में जहरीला सामान बेच रहे हैं। राहुल गांधी जिनकी शैडो ब्रांडिंग करते घूम रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2009 से अबतक श्री नरेन्द्र मोदी जी को कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा 92 गालियाँ दी जा चुकी हैं। ये गांधी जी की परंपरा के उत्तराधिकारी होने का केवल दंभ भरते हैं, लेकिन इनका मन बहुत ही मैला है। ये गरीब और पिछड़े समाज से निकलकर पार्टी के आम कार्यकर्ता से प्रध

01 अधिकारी एवं 47 कर्मचारियों को रेल सेवा पुरस्कार'

लखनऊ(आरएनएस)। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, विपिन खण्ड, गोमतीनगर नगर लखनऊ में आयोजित 68वें रेल सप्ताह समारोह–2023 के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल में मण्डल रेल प्रबन्धक स्तर पर आज मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार ने रुबी रॉय, अध्यक्षा महिला कल्याण संगठन लखनऊ एवं पदाधिकारियों तथा शाखाधिकारियों की उपस्थिति में लखनऊ मण्डल के 01 अधिकारी एवं 47 कर्मचारियों को रेल सेवा पुरस्कार'–2023 तथा 'स्टार परफार्मर ऑफ द ईयर' के अन्तर्गत मण्डल के 05 अधिकारियों एवं 43 कर्मचारियों को रेल सेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान एवं विशेष प्रशंसनीय कार्यो के निष्पादन हेतु पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार ने पुरस्कृत होने वाले सभी रेल कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के सामूहिक प्रयास से हमने अनेक उपलब्धियॉ हासिल की हैं। रेलवे के बदलते स्वरूप एवं बहुआयामी कार्य क्षेत्र में प्रगति को देखते हुए कार्यकुशलता तथा मितव्ययता के क्षेत्र में लखनऊ मण्डल पूर्वोत्तर रेलवे ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया है। हम सभी रेल संचलन के क्षेत्र में नयी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुये पूर्वोत्तर रेलवे को प्रगति की नयी ऊंचाइयों तक ले जायेंगे। यात्रियों को बेहतर रेल यात्रा सुविधा उपलब्ध कराये जाने के फलस्वरूप यात्री संख्या में आशातीत वृद्धि दर्ज की गई है। यात्री यातायात से प्राप्त होने वाली आय में भी भारी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। वर्ष 2023–24 में यात्री यातायात से प्राप्त होने वाली आय रु. 1371 करोड़ घ्दर्ज की गई, जोकि वार्षिक लक्ष्य से 7. 84 प्रतिशत तथा पिछले वर्ष की तुलना में 13.15 प्रतिशत अधिक है। माल यातायात से प्राप्त आय रु. 261.54 करोड़ दर्ज की गई, जोकि वार्षिक लक्ष्य से 34.84 प्रतिशत तथा पिछले वर्ष की तुलना में 45.09 प्रतिशत अधिक है। अन्य कोचिंग आय से प्राप्त आय रु. 187.28 करोड़ दर्ज की गई, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में 2. 03 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्य विविध आय से प्राप्त आय रु. 27. 66 करोड़ दर्ज की गई, जोकि वार्षिक लक्ष्य से 14.48 प्रतिशत तथा पिछले वर्ष की तुलना में 19.37 प्रतिशत अधिक है। लखनऊ मण्डल में संरक्षा के क्षेत्र में सभी विभागों द्वारा समन्वय स्थापित करते इस वित्तीय वर्ष 2023–24 में कोई भी परिणामी दुघर्टना घटित नही हुई तथा यैच।क्ध 'स्पेड' की घटना भी शून्य रही। पुरस्कार वितरण के पूर्व पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । इस समारोह में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (परि0) विक्रम कुमार, अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (इंफ्रा0) राजीव कुमार एवं पूर्वोत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, लखनऊ की सदस्यायें, समस्त शाखाधिकारी, मान्यता प्राप्त यूनियनों के पदाधिकारी, कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी राहुल यादव ने किया।

नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देश विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा- भूपेन्द्र सिंह चौधरी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने गुरुवार को बुलन्दशहर में संगठनात्मक बैठक व अलीगढ़ में आयोजित जनसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देश विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनेगा और विकसित भारत का संकल्प पूर्ण होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को मोदी का संदेश लेकर एक–एक घर, एक–एक व्यक्ति तक पहुंचकर मतदान अवश्य करने तथा भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील के साथ पहुंचना है। मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतकर हमें केन्द्र में मजबूत सरकार बनाने की आधारशिला उत्तर प्रदेश में तैयार करना है।भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए अबकी बार 400 पार का लक्ष्य पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक आतंकवाद, नक्सलवाद पर करारे प्रहार से देश में आंतरिक सुरक्षा मजबूत हुई है। वहीं सीएए लागू करके पड़ोसी देश में धार्मिक आधार पर प्रताड़ित हिन्दु, बौद्ध, ईसाई जैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों की नागरिकता का रास्ता खुला है।उन्होंने कहा कि 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश और खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश अपराध, रंगदारी, लूट, चौथ वसूली, अवैध कब्जे, अवैध खनन, संगठित अपराध और सत्ता संरक्षित अपराध से त्रस्त हो चुका था, न बहन बेटियां सुरक्षित थी ओर न ही मकान, दुकान, खेत, खलिहान सुरक्षित थे।

महिलाओं को लज्जित और अपमानित करने का कांग्रेस का पुराना कल्चर – अपर्णा यादव

लखनऊ(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी की नेता अपर्णा यादव ने गुरुवार को कहा कि महिला अस्मिता, आत्मसम्मान और उनके स्वाभिमान को चोट पहुँचाने, महिलाओं को लज्जित और अपमानित करने का कांग्रेस का पुराना कल्चर है। रणदीप सुरजेवाला का भी हालिया बयान इसी का नतीजा है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति का अपमान करने वाले दुर्योधन का भी अंत हो गया था कांग्रेस क्या चीज है। कांग्रेस का भी हश्र ऐसा ही होगा।उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जहां नारी शक्ति के सम्मान को लेकर पूरे देश में सकारात्मक अभियान चला रहे हैं। देश के गौरव को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही महिलाओं को सम्मानित कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के नेताओं का महिलाओं को लेकर बुरा

और अपमानजनक बर्ताव पार्टी की सोच को बताता है। महिलाओं का अपमान करना कांग्रेस के डीएनए में है। मथुरा में कांग्रेस की ही नेता रहीं प्रियंका चतुर्वेदी को भी अपनी अस्मिता और मान सम्मान बचाने के लिए कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी।कहा कि, कांग्रेस में अनगिनत नेता और उदाहरण भरे पड़े हैं, स्वयं राहुल गांधी, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, शशि थरूर समेत आजम खघन, अबू आजमी जैसे इंडी गठबंधन के नेता भी महिलाओं के खिलाफ अनर्गल और अपमानजनक टिप्पणी करते आ रहे हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता और राहुल गांधी के करीबी रणदीप सुरजेवाला कैथल जिले के किसी गाँव में आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में सभा करते हुए। पद्म सम्मान से सम्मानित और मथुरा सांसद हेमा मालिनी जी पर निंदनीय और अशोभनीय टिप्पणी की जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। उनके जो शब्द हैं उनको मैं इस मंच से कह भी नहीं सकती हूँ।उन्होंने यह भी कहा कि केवल सुरजेवाला ही नहीं जिन्होंने हेमामालिनी जी को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की है। बल्कि कांग्रेस की महिला नेताओं ने भी बारंबार दूसरे दलों की महिला नेताओं पर अमर्यादित और निम्नस्तरीय टिप्पणियाँ करती रही हैं। उन्हें मालूम होना चाहिए कि हेमामालिनी जी मथुरा से दो बार सांसद रह चुकी हैं।कहा कि कला, संस्कृति एवं फिल्म क्षेत्र में उन्होंने भारत ही नहीं विश्व में अपना एक अलग स्थान बनाया है। उनके योगदान पर भारत सरकार ने उन्हें पद्म सम्मान से सम्मानित भी किया है। मेरी चुनाव आयोग से अपील है वह इस मामले में सुरजेवाला की अमर्यादित टिप्पणी पर संज्ञान ले और कड़ी कार्रवाई करे।

भाजपा सबसे झूठी और भष्टाचारी पार्टी - अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सबसे झूठी और भष्टाचारी पार्टी है। भाजपा ने झूठ और भ्रष्टाचार के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। भाजपा ने किसानों, नौजवानों, महिलाओं, व्यापारियों सभी से झूठे वादे किए। दस साल की केन्द्र की भाजपा सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया। न किसानों की आय दोगुनी हुई न युवाओं को हर साल दो करोड़ नौकरी मिली।

भाजपा सरकार महिलाओं की सुरक्षा देने में फेल रही है। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ते जा रहे हैं। जिन–जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, वहां महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहा हैं। भाजपा ने मंहगाई और बेरोजगारी के नाम पर भी जनता से झूठ बोला। महंगाई, बेरोजगारी कम होने के बजाय दोगुनी रफ्तार से बढ़ी। खाने–पीने की चीजें दाल, सब्जी, दूध से लेकर डीजल–पेट्रोल, रसोई गैस सभी चीजों के दाम बढ़ाकर भाजपा सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग जनता की कमर तोड़ दी। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। भाजपा ने चुनावी चंदा के नाम पर जमकर वसूली की। सरकारी एजेंसियों ईडी, सीबीआई और आईटी से छापे डलवाकर डराकर तमाम कम्पनियों से वसूली की गई। कोरोना रोधी वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी से भी वसूली कर ली। भाजपा सरकार में इलेक्टोरल बांड के नाम पर ऐसा भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। सरकार दबाव डालकर पार्टी के लिए पैसा वसूलती हो ऐसा कभी नहीं हुआ। जब से भाजपा के भ्रष्टाचार का भांडा फूटा है तब से भाजपा में भारी घबराहट है। जनता भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को समझ गई है। भाजपा पूरे देश में बेनकाब हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में तो भाजपा ने पूरे बजट का बंदरबांट किया है। बजट की ऐसी लूट कभी नहीं हुई। यूपी में भाजपा सरकार सड़कों में गड्ढ़ामुक्त के नाम पर 40 हजार करोड़ रूपये का बजट डकार गई। पूरे प्रदेश की सड़कों में तमाम गड्ढे हैं। बजट का पता ही नहीं चला कि कहां खर्च हो गया? प्रदेश का विकास रुक गया। स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल है। मरीजों को दवा और इलाज नहीं मिल रहा है। इस बार लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को सभी 80 लोकसभा सीटों पर हराकर सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए तत्पर है।

सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही में 10,07,825 लोग पाबन्द किये गये

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। 16 मार्च, 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस, आयकर, आबकारी, नार्कोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही है। सघन जॉच के लिए 513 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट तथा 1850 चेक पोस्ट राज्य के भीतर संचालित किये गये हैं। 16 मार्च से 03 अप्रैल, 2024 तक पुलिस विभाग द्वारा अपराधिक व्यक्तियों के 476 लाइसेंसी शस्त्र जब्त किये गये। 3902 लाइसेंसी शस्त्र निरस्त कर जमा कराये गये। इसी प्रकार सीआरपीसी के तहत निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए 17,47,642 लोगों को पाबन्द किये जाने हेतु नोटिस प्रेषित किये गये है, जिसमें से 10,07,825 लोगों को पाबन्द किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा 3662 बिना लाइसेंस के अवैध शस्त्र, 4,058

फडणवीस के कट्टर प्रतिद्वंद्वी की होगी बीजेपी में वापसी! शरद पवार को लगेगा झटका

एजेंसीं

महाराष्ट वर्तमान में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के एमएलसी हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भाजपा में वापस जा रहे हैं, खडसे ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं सभी से सलाह–मशविरा करने के बाद उचित निर्णय लूंगा। कुछ पहलू हैं जिन पर विचार करने की आवश्यकता है। एनसीपी शरद पवार गुट के वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे लोकसभा चुनाव से पहले अपनी मूल पार्टी बीजेपी में लौटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बीजेपी उत्तरी महाराष्ट्र के अपने गढ़ में आंतरिक चुनौतियों से निपटने के लिए संघर्ष कर रही है। संघ परिवार में 40 वर्षों के बाद उन्होंने जनसंघ से शुरुआत की और भाजपा के संस्थापक नेताओं में से एक थे। खडसे ने अक्टूबर 2020 में पार्टी छोड़ दी थी और तत्कालीन एकजुट

एनसीपी में शामिल हो गए थे। वह वर्तमान में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के एमएलसी हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह भाजपा में वापस जा रहे हैं, खडसे ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि मैं सभी से सलाह–मशविरा करने के बाद उचित निर्णय लूंगा। कुछ पहलू हैं जिन पर विचार करने की आवश्यकता है।यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य पर एक संकेत था कि राज्य भाजपा नेतृत्व, विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, खडसे की वापसी के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। भाजपा के उच्च पदस्थ सूत्रों ने स्वीकार किया कि यह केंद्रीय नेतृत्व ही था जो खडसे तक पहुंचा और चाहता था कि लोकसभा चुनाव से पहले बदलाव हो, जहां पार्टी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। खडसे ने भाजपा छोड़ते समय फडणवीस और कैबिनेट मंत्री गिरीश महाजन को दोषी ठहराया था और दोनों पर उत्तर महाराष्ट्र में उनके कद को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। एक सूत्र ने कहा कि हालांकि, यह अब खडसे की वापसी के रास्ते में नहीं आएगा। जब संगठन और चुनाव की बात आती है, तो सभी को पिछली शिकायतों को दूर करने और एक साथ काम करने के लिए कहा जाएगा। उत्तर महाराष्ट्र के एक बेहद सम्मानित नेता, खडसे एक लेवा पाटिल हैं, जो ओबीसी हैं। समूह जिसे भाजपा मराठों को आरक्षण देने के अपने फैसले के बाद शांत करने की कोशिश कर रही है। सूत्रों ने कहा कि भाजपा नेतृत्व को उम्मीद है कि खडसे की वापसी से पार्टी को उत्तरी महाराष्ट्र में जलगांव (उनका गृह आधार) और रावेर जैसे प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में असंतोष को कम करने में मदद मिलेगी।

इनफिनिटी लर्न बाय श्री चौतन्या भारत में टाप रैंकर्स बनाने के लिए तैयार

लखनऊ, (आरएनएस) इनफिनिटी लर्न बाय श्री चौतन्या, भारत का एकमात्र हाइब्रिड लर्निंग प्लेटफॉर्म ने सहज के साथ साझेदारी की घोषणा आज राजधानी लखनऊ में की। सहज देश भर में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण भारत के सबसे बड़े वितरण नेटवर्क में से एक है। इस साझेदारी के माध्यम से प्लेटफॉर्म ने उत्कृष्ट परिणामों के लिए विख्यात श्री चौतन्या की 39 सालों की धरोहर को आगे बढ़ाते हुए देश के ग्रामीण भागों में आई आई टी–जेई, नीट, सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉपर्स बनाने का लक्ष्य रखा है। नई पीढ़ी के छात्रों को मार्गदर्शन देना तथा उन्हें अकादमिक लक्ष्यों के लिए आवश्यक उपकरण एवं जरूरी संसाधनों के साथ सशक्त बनाना इसका मुख्य उद्देश्य है। अधिक से अधिक छात्रों को आई आई टी–जेई, नीट, सीयूईटी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण तैयारी में सहयोग प्रदान करने के लिए इनफिनिटी लर्न ने सहज के साथ यह सामरिक साझेदारी की है, जो दो क्षमताओं का संयोजन है। सर्वोच्च स्तर की शिक्षा तथा अर्द्धशहरी एवं ग्रामीण इलाकों में व्यापक पहुंच इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के हर कोने में मौजूद महत्वाकांक्षी छात्रों को उच्च गुणवत्ता की किफायती शिक्षा सुलभ हो सके, ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए दूर स्थित शहरों में न जाना पड़े।

बेसिक शिक्षा विभाग को एक 51 इंच की एल ई डी टीवी भेंट की

लखनऊ,(आरएनएस) अलायंस क्लब्स इंटरनेशनल लखनऊ, डिस्ट्रिक्ट 137, ने डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अलाय प्रियंका दीक्षित की अध्यक्षता में अपने वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग को एक 51 इंच की एल ई डी टीवी भेंट की । पूर्व में भी यह डिस्ट्रिक्ट एक प्राथमिक विद्यालय को एल ई डी टी वी भेंट कर चुका है । इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्री रामप्रवेश यादव जी ने बताया कि आज जिस तेजी के साथ तकनीक शिक्षा में प्रवेश कर रही है, यह बहुत आवश्यक है प्रदेश सरकार के विद्यालय भी इसको अपनायें । उन्होंने कहा कि इसी के मद्देनजर उन्होंने अलायंस क्लब्स इंटरनेशनल और साथ ही अन्य संस्थाओं से भी सहयोग की अपील की ।

उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित अवध महोत्सव

लखनऊ(आरएनएस)। प्रख्यात कलाकार बतुल बेगम और अग्निहोत्री बंधुओं ने आज चल रहे अवध महोत्सव में अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 1 अप्रैल से 5 अप्रैल तक संगीत नाटक अकादमी में हो रहा है। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए पारंपरिक और समकालीन कला रूपों का मिश्रण देखा गया।बतुल बेगम की भावपूर्ण सूफी प्रस्तुतियों से लेकर गाजियाबाद की समीक्षा शर्मा की मनमोहक कथक प्रस्तुति तक, दर्शकों को प्रतिभाओं की एक आनंदमय श्रृंखला से रूबरू कराया गया। बुधवार की शाम संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों का मिश्रण रही। बतुल बेगम के सूफी गीत, राधा प्रजापति के राई लोक नृत्य और झांसी की मंडली के साथ ही लखनऊ के अग्निहोत्री बंधुओं के भजनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।प्रशंसित सूफी गायिका बतुल बेगम ने राजस्थानी लोक संगीत का सार दिखाते हुए लोक गीतों और भजनों की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोकप्रिय भजन श्बोल सिया राम राम और आओ मेरे प्यारे गजानंदश सहित उनके प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और सांस्कृतिक समृद्धि में डुबो दिया। अवध महोत्सव में 4 अप्रैल को होने वाले आगामी कार्यक्रमों में नोएडा से शिखा खरे का कथक नृत्य, पद्मश्री उर्मिला श्रीवास्तव का मिर्जापुर से कजरी गायन, मुंबई से रामशंकर की सूफी धुन और स्नेहा शंकर की बॉलीवुड नाइट शामिल हैं।जबकि 5 अप्रैल को लखनऊ के डॉ. पवन कुमार वाद्ययंत्र प्रस्तुत करेंगे। समापन समारोह में अन्य प्रमुख प्रस्तुतियों के बीच गायक जोड़ी रूप कुमार राठौड़ और सोनाली राठौड़ अपनी गजल रात से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगे। यह आयोजन एक होने का वादा करता है उत्तर प्रदेश की कलात्मक विरासत की समृद्धि को प्रदर्शित करने वाली कला और संस्कृति का उत्सव।

साइबर अपराध होने पर तत्परता से कार्रवाई करे – मुख्य सचिव

लखनऊ(आरएनएस)। मुख्य सचिव शासन की अध्यक्षता में साइबर अपराधों व साइबर सुरक्षा विषय पर पुलिस मुख्यालय स्थित ऑडिटोरियम में प्रस्तुतीकरण व बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव दुगाशंकर मिश्र ने कहा गया कि कंप्यूटरा इंटरनेट और स्मार्टफोन का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। इंटरनेट के माध्यम से तमाम सारी पब्लिक सर्विसेज ऑनलाइन उपलब्ध हैं। ऐसे में साइबर सिक्योरिटी और साइबर क्राइम विषय बहुत महत्वपूर्ण है। पुलिस, ऊर्जा, मेट्रो स्वास्थ्य और कृषि आदि सेक्टर में इंटरनेट के माध्यम से तमाम सारी सुविधायें आम नागरिकों को ऑनलाइन उपलब्ध करायी जा रही हैं। साइबर सिक्योरिटी के माध्यम से ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जिससे बाहरी व्यक्ति इस नेटवर्क या सिस्टम को ध्वस्त या प्रभावित न कर सके।दुनिया में सर्वाधिक डिजिटल ट्रांजक्शन भारत में हो रहा है। लोगों की मदद के लिए प्रदेश में साइबर थाने बनाये गये हैं। अपराध के पैटर्न में परिवर्तन आया है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि लोगों की साइबर सुरक्षा पर ध्यान दें। आम नागरिकों को साइबर फ्रॉड का शिकार होने से बचाने के लिए जागरूक करें। साइबर अपराध होने पर तत्परता से कार्रवाई करे, जिससे साइबर अपराध के मामलों में कमी आयेगी। दिन– प्रतिदिन नई आपराधिक चुनौतियों को हल करने के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा। अपराध पैटर्न की बेहतर पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि का उपयोग करना और दूसरा तेजी से बदलते अपराध पैटर्न और उनके तौर–तरीके को समझना और कड़ी कार्रवाई करना होगा। आज उत्तर प्रदेश के 75 कमिश्नरेटध्जनपदों में साइबर थानों का गठन हो चुका है, किन्तु हमें साइबर सिक्योरिटी हेतु बहुत प्रभावी रूप से कार्य किये जाने की आवश्यकता है। डीजीपी यूपी प्रशान्त कुमार ने कहा गया कि साइबर क्राइम और साइबर सिक्योरिटी ये दोनों ही बहुत प्रासंगिक विषय है, साइबर क्राइम के बारे में आप सबको पता है कि इसकी कोई बाउण्ड्री नहीं होती। अमूमन जो क्राइम हम लोग आज तक देखते हुए आ रहे है उसमें एक सीमा होती है, लेकिन साइबर काइम वर्ड वाइज वेब से कन्ट्रोल होता है, जिसकी कोई सीमा नहीं होती है, ऐसी स्थिति में क्राइम करने वाले सस्पेक्ट के डिस्टेन्स के बारे में आइडिया लगा पाना, जब तक कि पूरा ज्ञान न हो सम्भव नहीं है।साइबर क्राइम से बचने के बारे में जो भी सुधार करें या स्वयं की जागरूकता बढ़ाये ये सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है। शासन द्वारा साइबर क्राइम से निपटने के लिए बहुत सारे प्रयास किये जा रहे है, जैसा कि आप लोगों को पता है वर्ष 2017 के बाद से रेंज स्तर पर साइबर थाने बनाये गये तथा वर्तमान में प्रत्येक जनपद में एक साइबर थाने की स्थापना की गयी एवं प्रत्येक थानों में एक साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है। साइबर काइम से निपटने के लिये पूरी दुनिया द्वारा सुधार के लिए जो कार्य किये जा है उस प्रतिस्पर्धा में उत्तर प्रदेश पुलिस अधिक तेजी से सिस्टम में सुधार कर रही है।

इनफिनिटी लर्न बाय श्री चौतन्या भारत में टश्नप रैंकर्स बनाने के लिए तैयार

इनफिनिटी लर्न बाय श्री चौतन्या ने ग्रामीण भारत के प्रतियोगी छात्रों के लिए सहज के साथ की साझेदारी

लखनऊ(आरएनएस)। इनफिनिटी लर्न बाय श्री चौतन्या, भारत का एकमात्र हाइब्रिड लर्निंग प्लेटफॉर्म ने सहज के साथ साझेदारी की घोषणा आज राजधानी लखनऊ में की। सहज देश भर में अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण भारत के सबसे बड़े वितरण नेटवर्क में से एक है। इस साझेदारी के माध्यम से प्लेटफॉर्म ने उत्कृष्ट परिणामों के लिए विख्यात श्री चौतन्या की 39 सालों की धरोहर को आगे बढ़ाते हुए देश के ग्रामीण भागों में आई आई टी–जेई, नीट, सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉपर्स बनाने का लक्ष्य रखा है। नई पीढ़ी के छात्रों को मार्गदर्शन देना तथा उन्हें अकादमिक लक्ष्यों के लिए आवश्यक उपकरण एवं जरूरी संसाधनों के साथ सशक्त बनाना इसका मुख्य उद्देश्य है। अधिक से अधिक छात्रों को आई आई टी–जेई, नीट, सीयूईटी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण तैयारी में सहयोग प्रदान करने के लिए इनफिनिटी लर्न ने सहज के साथ यह सामरिक साझेदारी की है, जो दो क्षमताओं का संयोजन है।सर्वोच्च स्तर की शिक्षा तथा अर्द्धशहरी एवं ग्रामीण इलाकों में व्यापक पहुंच इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के हर कोने में मौजूद महत्वाकांक्षी छात्रों को उच्च गुणवत्ता की किफायती शिक्षा सुलभ हो सके, ताकि उन्हें पढ़ाई के लिए दूर स्थित शहरों में न जाना पड़े। छात्रों के लिए सभी पाठ्यक्रम नजदीकी सहज जन सेवा केन्द्र पर जाकर इन सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर उज्जवल सिंह, संस्थापक सीईओ, इनफिनिटी लर्न बाय श्री चौतन्या ने कहा ''सहज के साथ यह साझेदारी मुझे डिजिटल अंतर को दूर करने और देश भर के ग्रामीण इलाकों में हजारों छात्रों के लिए किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाने की उम्मीद से भर देती है। यह देश में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए हमारे समग्र प्रयासों की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यह देखकर दुख होता है जब हमारे प्रतिभाशाली छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, उन्हें ज्ञान पाने की खोज में मुश्किल यात्रा से होकर गुजरना पड़ता है। हमारी महत्वाकांक्षाएं मौजूदा स्थिति से कहीं अधिक हैं। 'बच्चा सीखा कि नहीं' के दृष्टिकोण के साथ हम इन उपेक्षित एवं प्रतिभाशाली छात्रों व युवाओं को शामिल करते हुए इनफिनिटी लर्न को 2027 तक टियर 1 कॉलेज एडमिशन में लीडर के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। लखनऊ में ऋषी राज सिंह, सीओओ, स्ट्रैटेजी एण्ड ऑपरेशन्स, सहज, ने इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा ''इस बदलावकारी पहल के लिए इनफिनिटी लर्न के साथ हाथ मिलाते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह साझेदारी भारत के ग्रामीण इलाकों में उत्कृष्ट शिक्षा को सुलभ बनाने के नए दौर की शुरूआत करेगी।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के इनफिनिटी लर्न के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड के साथ छात्र आगे बढ़ते हुए अपनी विषेषज्ञता को जोड़कर, हम ग्रामीण भारत में छात्रों के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार हैं।'' इस साझेदारी के साथ इनफिनिटी लर्न छात्रों को सशक्त बनाने और उनकी एकेडमिक यात्रा में टॉपर्स बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर रहा है। आधुनिक दृष्टिकोण और मजबूत समर्पण के साथ इनफिनिटी लर्न देश के शिक्षा क्षेत्र में बदलाव लाने और यह सुनिश्चित करने के लिए तत्पर है कि हर छात्र को अपनी प्रतिभा का लाभ उठाने के लिए एक समान अवसर मिलें, फिर चाहे वह किसी भी भौगोलिक क्षेत्र में रहता हो।

गर्मी के प्रभाव को देखते हुए यूपी के अस्पतालों को एलर्ट जारी

राजधानी में दस हजार से अधिक मरीजों की प्रतिदिन की ओपीडी

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के सभी चिकित्साधिकारियों को एलर्ट मोड में कार्य करने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। गर्मी के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव एवं रोकथाम की तैयारियां को चुस्त दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये हैं। गुरूवार डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश जारी करते हुए कहा कि आमजन को इन बीमारियों और इनके बचाव के लिए भी जागरूक किया जाए और समय–समय पर जागरूकता अभियानों का संचालन किया जाए।उन्होंने कहा कि अस्पतालों में दवाओं की कमी न होने दें,चिकित्सकों के ड्यूटी चार्ज को भी अप टू डेट करें। मौसम विभाग के पूवार्नुमान को देखते हुए प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। डिप्टी सीएम ने सभी चिकित्सा अफसरों को निर्देशित कर अस्पतालों में गर्मी से बचाव से संबंधित सभी तैयारियों को पूरा करने को निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने हीट वेव को लेकर भी सतर्कता बरतने और जमीनी स्तर पर गर्मी से होने वाली बीमारियों के आंकड़े जुटाएं।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष को लेकर तुलनात्मक अध्ययन करें। मौसम विभाग के अलर्ट के आधार पर अपनी तैयारी सुनिश्चित करें। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि केंद्र से आने वाले दिशा–निदेर्शों का भी पूर्णता पालन करें। आमजन के लिए अस्पतालों में आवश्यक दवाएं, इन्ट्रावेनस तरल पदार्थों, आइस–पैक, ओआरएस, पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चत की जाए।

सतर्कता अपनाएं,घबराये नहीं....डिप्टी सीएम का कहना है कि बहुत जरूरी कार्य होने पर ही घर, दफ्तर या अपने प्रतिष्ठान से बाहर निकलें, गर्मी से घबराएं नहीं, सतर्क रहें। डिहाइड्रेशन से बचने के लिए नियमित अंतराल पर पानी पीते रहें। घर के बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें।गर्मी के प्रभाव के जानें लक्षण..इसमें गर्मी लगने के गंभीर लक्षणों की बात करें तो बेहोशी, तेजी से सांस लेना, पसीना ना आना, गहरे रंग का पेशाब, तेज दिल की धड़कन, आठ घंटे से अधिक समय तक पेशाब न आने की स्थिति में तुरंत मेडिकल सहायता लें। गीले तौलिए को सिर, गर्दन, बगल और कमर की त्वचा पर लगाएं। ओआरएस का घोल, ग्लूकोज लेते रहें। घर पर एक इमरजेंसी किट रखें। घर को ठंडा रखें। राजधानी के चिकित्सा संस्थानों में प्रतिदिन की ओपीडी में दूर दराज से आने वाले मरीजों का रिकार्ड. .जिसमें प्रदेश 786 बेड वाले बलरामपुर अस्पताल ने आभा एप मरीजों के पंजीकरण में देश स्तर पर पांचवा स्थान और प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.एनबी सिंह ने बताया कि गुरूवार की ओपीडी में करीब 32 सौ मरीजों को देखा गया। उन्होंने कहा कि मरीजों को किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए निरंतर तत्परता बरती जा रही है। इसी क्रम में 443 बेड वाला सिविल अस्पताल सीएमएस डॉ.राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि 2265 मरीजों को देखा गया। और 325 बेड वाला लोकबन्धु अस्पताल सीएमएस डॉ.राजीव दिक्षित ने बताया कि लगभभ 2 हजार मरीजों की ओपीडी रही। जिसमें 1325 बेड वाला आरएमएल मीडिया प्रभारी डॉ.एपी जैन ने बताया कि करीब 3555 मरीजों की ओपीडी रही।

डा0 नीरज त्रिपाठी बने कॉग्रेस जिलाध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ने गर्मजोषी से किया स्वागत

प्रतापगढ़। यूपी यूथ ब्रिगेड के पूर्व अध्यक्ष व सदर विधानसभा के कॉग्रेस प्रत्याषी रहे डा0 नीरज त्रिपाठी को कॉग्रेस का नया जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इस आषय का पत्र पार्टी के प्रदेष अध्यक्ष अजय राय द्वारा जारी किया गया है। पार्टी के प्रति श्री त्रिपाठी के लगन व निश्ठा को देखते हुए उन्हें अन्य भी कई जिम्मेदारियां दी गई हैं। डा0 त्रिपाठी को कॉग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर गुरूवार को षहर स्थित पार्टी कार्यालय पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने श्री त्रिपाठी का भव्य स्वागत किया। जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर डा0 त्रिपाठी ने षीर्श नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिले में बूथ से लेकर ब्लॉक व जिला तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प लेता हूँ। जो आने वाले दिनों में देखने को भी मिलेगा। इस मौके पर डा0 वीके सिंह, डा0 प्रषांतदेव षुक्ल, महेन्द्र षुक्ल, वेदांत तिवारी, मकरंद षुक्ल, प्रेम षंकर द्विवेदी, विजय षंकर तिवारी, सुरेष मिश्र, रामू पांडे, इम्तियाज, विष्वास सिंह, सलमान, उत्सव, विकाष षुक्ल समेत दर्जनों कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रेम पत्थर को भी भगवान बना देता है देवी हेमलता शास्त्री

लखनऊ(आरएनएस)। खाटूश्याम मन्दिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन देवी हेमलता शास्त्री ने राजा परीक्षित के जन्म और उससे जुड़ी कथा सुनाई। राजा परीक्षित को क्रमिक मुनि से सात दिवस में मृत्यु का श्राप मिला जिसके निवारण हेतु सुकदेव जी महाराज का आगमन हुआ।देवी हेमलता शास्त्री ने कहा कि जीवन में दृष्टिकोण को बदलने की आवश्यकता है। नजरिया बदलेंगे तो दुख में भी सुख की अनुभूति होगी। मन्दिर में पत्थर है किन्तु प्रेम उस पत्थर को भी भगवान बना देता है। देवी हेमलता ने कहा कि हमें प्रभु को निरन्तर धन्यवाद देना चाहिए। ईश्वर ने शरीर अच्छा दिया किन्तु हम शरीर के प्रति लापरवाह हुए तो रोग मिला। रिश्ते प्रेम से जुड़ते हैं किन्तु उनमें कटुता हमारी गलतियों से आती है। हमें चिन्तन करना होगा और दृष्टिकोण बदलना होगा। जब तक आप स्वयं हार नहीं मानेंगे तब तक आपको कोई हरा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि संसार में अमृत भरा है किन्तु आपको उसमें से लेना आना चाहिए। संसार में बहुत आनन्द है किन्तु जीना आना चाहिए।कथा के दौरान देवी हेमलता शास्त्री ने राधे किशोरी दया करो, जो पहले दिया है वही कम नहीं है उसी को निभाने के काबिल नहीं हूं तथा तुम न सुनोगे तो कौन सुनेगा जैसे भजनों से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। मुख्य यजमान सुनीता अग्रवाल एवं जगदीश अग्रवाल ने भागवत की आरती की। कथा में गिरिजा शंकर अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, भारत भूषण गुप्ता सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

हेल्पिंग हैण्ड संस्था बनी जरूरत मंद बच्चों का खेवनहार, उपलब्ध करा रही निःषुल्क षिक्षा-

प्रतापगढ़। षहर की संभ्रान्त परिवारों की महिलाओं ने गरीबों के बच्चों को निःषुल्क षिक्षा उपलब्ध कराने व उनकी मदद के उद्देष्य से हेल्पिंग हैण्ड नाम की संस्था का संचालन कर रही हैं। यह संस्था उन परिवारों के बच्चों का खेवनहार बनती है जिनके अभिभावक उन्हें पढ़ाने लिखाने में सक्षम नहीं होते हैं। इसके लिए संस्था की तरफ से बेसिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की परीक्षा लेकर उन्हें आगे की पढ़ाई का जिम्मा उठाती है। संस्था किसी भी गरीब का मेधावी बच्चा चाहे व इंजीनियरिंग, डाक्टर व अन्य क्षेत्रों की उच्च षिक्षा लेना चाहे तो पढ़ाने के खर्च का सारा जिम्मा उठाती है। इसके लिए ऐसे परिवारों के बच्चों को फार्म भर कर संस्था द्वारा आयोजित परीक्षा में पास होना होगा। इस वर्श की परीक्षा गुरूवार को षहर के षंकल दयाल रोड स्थित परिशदीय विद्यालय में आयोजित हुई। परीक्षा में चिलबिला, पुलिस लाइन, बेगमवार्ड समेत स्थित कई स्कूलों के पचास बच्चों ने प्रतिभाग किया। संस्था की सदस्य मीना पुश्पाकर ने बताया कि बहुत से मेधावी बच्चे गरीबी की वजह से पढ़ लिख नहीं पाते हैं। उन्हें षिक्षा का बेहतर माहौल प्रदान कर देष के विकास के लिए योग्य नागरिक बनाना हेल्पिंग हैण्ड संस्था का उद्देष्य है। संस्था की अध्यक्ष सुनीता खंडेलवाल, संगीता खंडेलवाल, प्रिया, अनामिका, स्मिता, बबिता, अनीता, रेखा, पूर्णिमा तिवारी समेत अन्य सदस्यों की मौजूदगी में परीक्षा संपन्न हुई।

गमछ से गश खाकर सड़क पर गिरा युवक, हुई मौत

प्रतापगढ़, लालगंज। कस्बे में दवा लेने आया युवक अचानक गश खाकर गिर गया। ट्रामा सेण्टर ले जाने पर चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के पूरे दूधी भोजपुर गांव के बत्तीस वर्षीय उमाशंकर मिश्र पुत्र रामसजीवन मिश्र गुरूवार की दोपहर करीब दो बजे अपने बीमार पिता की दवा लेने के लिए बाइक से लालगंज कस्बा आये हुए थे। कस्बा स्थित एचडीएफसी बैंक के पास बाइक खड़ी कर वहीं पानी पीने लगे। इसी बीच अचानक सड़क पर गिरकर अचेत हो गये। आसपास के लोग युवक को इलाज के लिए ट्रामा सेण्टर भेजवाया। यहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक विजयकांत सत्यार्थी का कहना है कि प्रथम .ष्टया हीट स्ट्रोक से युवक की हुई मौत की बात लग रही है। परिवार के लोगों ने पीएम करने से इंकार कर दिया है और शव को लेकर घर चले गये। तहरीर मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

एसटीएफ की दबिश में आरोपी की मौत की शुरू हुई मजिस्ट्रेटी जांच

प्रतापगढ़, लालगंज। सांगीपुर थाना क्षेत्र के लखहरा गांव मे एसटीएफ की गिरत में आये लखहरा गांव के राजनाथ सिंह के पुत्र अजय प्रताप सिंह की इलाज के दौरान हुई मौत में मजिस्ट्रेटियल जांच शुरू हुई है। डीएम संजीव रंजन द्वारा इस घटना की मजिस्ट्रेटी जांच लालगंज एसडीएम प्रवीण कुमार द्विवेदी को सौंपी गयी है। डीएम के मजिस्ट्रेटी जांच के आदेश के तहत एसडीएम लालगंज प्रवीण कुमार द्विवेदी ने घटना से सम्बन्धित किसी भी प्रकार के बयान के लिए किसी संस्था अथवा व्यक्तियों को आवश्यक साक्ष्य की आवश्यकता के तहत तहसील कार्यालय में अपने बयान दर्ज कराये जाने को कहा है। बतादें लखनऊ के थाना गोमती नगर में मृतक अजय प्रताप सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के केस को लेकर एसटीएफ द्वारा मृतक के घर दबिश दी गयी थी। अचानक एसटीएफ की हिरासत में मृतक अजय सिंह की तबीयत बिगड गयी। इलाज के दौरान जिला अस्पताल मे अजय की मौत हो गयी। मृतक अजय की मौत पुलिस के मुताबिक हार्ट अटैक से हुई थी।

कार्यकर्ता सम्मेलन में सांसद प्रमोद तिवारी व लोकसभा प्रत्याशी एसपी सिंह पटेल ने भाजपा को बताया हर मोर्चे पर फेल

प्रतापगढ़, लालगंज स्थित कॉग्रेस विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर गुरूवार को कांग्रेस तथा सपा कार्यकर्ताओं का संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। सम्मेलन को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल है। उसे सत्ता खोने के भय सता रहा है। उन्होने कहा कि भाजपा सांसद ने रामपुर खास में उनके तथा विधायक मोना के प्रयास से स्वी.त होने वाली विकास योजनाओं में कदम कदम पर अड़ंगा लगाया। मंगापुर उदयपुर नये ब्लाक के क्रियाशील न हो पाने पर मौजूदा भाजपा सांसद व सरकार को दोषी बताया। प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार ने मंहगाई के साथ अर्थव्यवस्था को पूरी तरह चौपट कर रखा है। उन्होने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोडो न्याय यात्रा से घबराई भाजपा देश की जनता के सामने बेरोजगारी, किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारण्टी, सीमा पर चीन के साथ लगातार तनाव के माहौल पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होने कहा कि असल मुददे से भटकाव के लिए भाजपा फिर उन्मादी राजनीति की फितरत में है। जनता ने मोदी के झूठ को समझ लिया है और वह पूरी तरह से इण्डिया गठबंधन को सरकार बनाने का जनादेश देने का निर्णय ले चुकी है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी व पूर्व एमएलसी एसपी सिंह पटेल ने जिले में विकास के नाम पर भाजपा के मौजूदा सांसद को विफल करार दिया है। उन्होने कहा कि प्रतापगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में भाजपा सांसद ने कोई प्रयास नहीं किया। उद्योग तथा चिकित्सा क्षेत्र में भी स्थानीय सांसद के स्तर पर कोई भी पहल नही हो सकी। विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकारों में महिलाओं को सम्मान तथा स्वरोजगार दोनों क्षेत्र में निराशा है। उन्होनें कहा कि इस चुनाव में रामपुर खास इण्डिया गठबंधन की संसदीय क्षेत्र में जीत को लेकर निर्णायक भूमिका के लिए सबसे मजबूत स्थिति में है। संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. नीरज त्रिपाठी ने कार्यकर्ताओं के साथ गठबंधन प्रत्याशी एसपी सिंह पटेल की जीत सुनिश्चित बनाये जाने में कारगर संघर्ष का ऐलान किया। इस मौके पर अब्दुल कादिर जिलानी, भइयाराम पटेल, महेन्द्र शुक्ला, डॉ0 प्रशान्तदेव शुक्ल, रामसुन्दर पटेल, टीपी यादव, प्रवीण द्विवेदी, केडी मिश्र, अमित सिंह पंकज, अशोक सिंह बबलू, संतोष द्विवेदी , प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी आदि मौजूद रहे।

नार्थ मल्टीप्ल अवार्ड से सम्मानित हुए समाजसेवी रोषनलाल

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब इंटरनेषनल नार्थ मल्टीप्ल सम्मेलन दो दिन पूर्व लखनऊ में सम्पन्न हुआ। जिसमें समाजसेवा के क्षेत्र में किये गए कार्यों को देखते हुए रोषनलाल उमरवैष्य को नार्थ मल्टीप्ल एवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड संस्था की चेयरमैन ममता भटनागर व सेक्रेटरी डीएम भटनागर द्वारा दिया गया। समाजसेवी के सम्मानित होने पर साहित्यकार डा0 दयाराम मौर्य, लेखक डा0 विनय कुमार श्रीवास्तव, राजेष सिंह, छेदीलाल, पूनम गुप्ता, अचर्द्यना खंडेलवाल, रेखा उमरवैष्य, ज्योति खंडेलवाल, सुधा अग्रवाल आदि ने उन्हें षुभकामनाएं देते हुए खुषियां जाहिर की।

सदर तहसील परिसर में जमकर बवाल, एफआईआर के विरोध में धरने पर बैठे अधिवक्ता

प्रतापगढ़। सदर तहसील परिसर चार दिनों से जंग का मैदान बना हुआ है। सोमवार को एसडीएम के पेषकार सुरेन्द्र पांडे को एक अधिवक्ता ने तहसील परिसर में जमकर पीटा था। पिटाई के विरोध में कर्मचारियों में आक्रोष है। सोमवार से तहसली में कोई काम नहीं हो पा रहा है। आए दिन अधिवक्ताओं के गाली गलौज से तंग एसडीएम उदयभान सिंह ने सख्ती दिखाई तो पीड़ित पेषकार ने नगर कोतवाली में पिटाई करने वाले अधिवक्ता के खिलाफ तहरीर दी। गुरूवार को एफआईआर दर्ज होने की जानकारी पर दर्जनों अधिवक्ता तहसील में धरने पर बैठ गये। इस दौरान कुछ लोगों ने गाली गलौज भी की। एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार को अधिवक्ताओं के हंगामे का षिकार होना पड़ा। अधिवक्ताओं के धरने में पहुंची एक महिला ने प्रषासन के खिलाफ आक्रमक रूख दिखाया। कर्मचारियों ने महिला के अधिवक्ता न होने की जानकारी दी।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024
sheelshukla100@gmail.com

मुख्य सचिव ने ईद, रामनवमी, अम्बेडकर जयंती व चौत्र नवरात्रि पर्व के संबंध में समीक्षा कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

झांसी! मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने ईद, रामनवमी, अम्बेडकर जयंती व चौत्र नवरात्रि पर्व के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिये अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि आगामी

दिनों में प्रदेश में कई त्योहार आयोजित होंगे। हर एक पर्व शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हों, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किये जायें। प्रदेश में कहीं कोई अप्रिय घटना घटित न हो। त्योहारों के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म पर टीका–टिप्पणी व छोटी सी अफवाह माहौल को खराब कर सकती है और कानून–व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, इसलिये इस पर विशेष नजर रखी जाए उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर स्थापित होने के उपरांत पहली बार रामनवमी आयोजित होने जा रही है, भारी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या आयेंगे। इसे ध्यान में रखते सुरक्षा और सुगम यातायात के लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित किये जायें। सीसीटीवी के द्वारा निगरानी रखी जाये।

विपक्ष के पास न कोई नेतृत्व और न कोई एजेंडा: मुख्यमंत्री

मथुरा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विपक्ष को नहीं मिल रहे उधार में भी प्रत्याशी

(मथुरा)(ए.के.शर्मा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। भाजपा प्रत्याशी हेमा मालिनी के नामांकन दाखिल करने के उपरांत मथुरा छावनी स्थित बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज मैदान में हुई जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा महत्वपूर्ण लोकसभा सीट में से एक है। तीसरी बार जब हेमा

मालिनी को प्रत्याशी बनाया गया है तो किसी अन्य दल के पास प्रत्याशी ढूंढने से भी नहीं मिल रहे हैं। विपक्षी दल उधार में प्रत्याशी ला रहे हैं और जब उधार में भी प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं तो कांग्रेस नेता अपना आपा खो चुके हैं। सांसद हेमा मालिनी के सुझाव पर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के माध्यम से मथुरा के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार की।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ देश को गुमराह करने का काम किया। 60 वर्षों तक सरकार में रहते हुए भी कभी मथुरा, काशी और अयोध्या के विकास पर ध्यान ही नहीं दिया। मथुरा में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। आने वाले तीन वर्षों में भारत विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि जीत के लिए नहीं बल्कि सबसे बड़ी जीत मथुरा लोकसभा में हो इसके लिए लडें। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार खोखले वायदे नहीं करती। जो कहती है उसको पूरा करती है। भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सांसद हेमा मालिनी ने दाखिल किया नामांकन

गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी के तौर पर मथुरा लोकसभा सीट से हेमा मालिनी ने नामांकन दाखिल किया। उनके नामांकन में प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी, पार्टी जिलाध्यक्ष आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त होने पर प्रधानाचार्य को दी गई विदाई

झांसी! चिरगांव सरदार पटेल इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य पद पर रहकर अपनी सेवा दे रहे दो हरिपत सहाय कोशिक के का आज भव्य विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया

सबसे पहले मां सरस्वती के चित्र पर तिलक लगाकर माल्यार्पण किया उसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ नवांगतुक प्राचार्य शिवराम वर्मा ने कौशिक जी को तिलक व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया वहीं विद्यालय परिसर के समस्त स्टाफ ने फूलमाला पहनाकर कौशिक जी को विदाई दी वही कौशिक जी ने कहा कि यहां से मैंने अपने 62 वर्ष की आयु पूर्ण करके सेवा निवृत्त हो रहा हूं और मैं यहां विद्यालय के लिए व विद्यालय परिवार के लिए व चिरगांव नगर के लिए बहुत कुछ दिल में रखे जा रहा हूं कि मेरे पास कहने के लिए कोई शब्द नहीं है विद्यालय परिवार में समस्त वरिष्ठ प्रवक्ता साथियों का शिक्षक बंधुओं का शिक्षिकाओं का और सभी कार्यालय की लिपिक बंधुओं का बहुत सहयोग मिला है इनका में दिल से धन्यवाद देता हूं विदाई समारोह के दौरान विद्यालय स्टाफ में अविनाश तिवारी ,लक्ष्मीकांत वाजपेई, हिमांशु अग्रवाल ,केशव राजपूत ,राजीव कुमार ,विमल कुमार अशोक बदल राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संगठन बुंदेलखंड उपाध्यक्ष, कमलेश तिवारी, राजकुमार राजपूत, वीर सिंह यादव, विजय पाराशर एवं समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा

विद्युत लाइन से निकली चिंगारी से फसल जलकर राख

झांसी! गुरसाराय तहसील गरौठा के अंतर्गत आने वाले गुरसरांय गरौठा मार्ग पर सेंट मैरी स्कूल के पास उज्जवल अहिरवार निवासी ग्राम लखावती के खेत के ऊपर से 11 हजार की विद्युत लाइन निकली हुई है। जहां पर आज अचानक विद्युत तारों में चिंगारी छूटी जिसके चलते चिंगारी खेत में जा गिरी। तथा खेत में लगी गेहूं की फसल में आग लग गई। जिसमें करीब 1 एकड़ की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। वहीं मौके से गुजर रहे भाजपा नेता नितिन मिश्रा गरौठा द्वारा इसकी सूचना फायर ब्रिगेड एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों को दी गई। वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा तुरंत विद्युत सप्लाई को बंद किया गया। एवं मौके पर पहुंचे विद्युत विभाग से लाइनमैन रामकेश व धर्मेंद्र तथा उच्च अधिकारियों नाम मोके का मुआयना किया गया तथा फायर ब्रिगेड की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जब तक करीब 1 एकड़ की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई थी। वहीं पीड़ित किसान द्वारा शासन प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की।

सपनों को सच करने बच्चे चले स्कूल

प्रयागराज (आरएनएस)। सपने सच हो इससे पहले आपको सपने देखने होंगे। पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम के यह आदर्श वाक्य गुरुवार को राजकीय शिशुगृह प्रयागराज में सच होते दिखाई पड़े। राजकीय शिशुगृह के 12 बच्चों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूल वशिष्ठ वात्सल्य पब्लिक स्कूल में कराया गया। अब यह बच्चे शहर के सामान्य बच्चों के साथ बैठकर शिक्षा लेंगे। इन बच्चों को गुरुवार को सुबह आठ बजे किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अजय भनोट एवं उनकी पत्नी ने तिलक लगा एवं दही–शक्कर खिलाकर स्कूल के लिए हरी झंडी दिखा बच्चों पर पुष्प वर्षा कर विदा किया। स्कूल जाने वाले बच्चे नई किताब कॉपी के साथ स्कूल जाने को उत्साहित दिखे।
न्यायमूर्ति एवं उपस्थित अधिकारियों की ओर से इस मौके पर पठन–पाठन सामग्री और उपहार देकर उनको प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रयागराज सर्वजीत सिंह ने बताया की 12 बच्चों के अतिरिक्त 06 वर्ष से कुल 07 बच्चें खुल्दाबाद स्थित आगंन बाड़ी केन्द्र में पूर्व प्राथमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार प्रदेश के सभी बालगृहों से कुल 472 निराश्रित बच्चों का नामांकन शैक्षणिक सत्र 2024–25 में विद्यालयों में कराया गया है। जिसमें 275 लड़के व 197 लड़कियां शामिल हैं। यह कार्य किशोर न्याय समिति, माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के पर्यवेक्षण में शासन के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश के समस्त राजकीय बाल गृहों में संचालित किया जा रहा है। जून 2023 में किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के साथ न्यायमूर्ति अजय भनोट ने बालगृहों में आवासित बच्चों की शिक्षा पर काम शुरू किया। उनके इस मिशन को पूरा करने का बीड़ा उठाया किशोर न्याय समिति के ज्वाइंट रजिस्ट्रार दिवाकर द्विवेदी ने। इन दोनों की जोड़ी ने बालगृहों की सीमा में बंधे बच्चों को स्कूल तक पहुचने का रास्ता दिखाया। समिति के अध्यक्ष एवं ज्वाइंट रजिस्ट्रार के निर्देशन में अब बालगृहों के बच्चों ने नए–नए सपने देखने शुरू कर दिए हैं। पहले ही प्रयास में इन बच्चों ने बीते शैक्षिक सत्र में अपने स्कूलों में अच्छे नम्बर के साथ परीक्षा पास की।कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी प्रयागराज नवनीत चहल, ज्वाईन्ट रजिस्ट्रार उच्च न्यायालय दिवाकर द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज गौरव कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रयागराज सर्वजीत सिंह, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार मिश्र, बालगृहों के अधीक्षक, कर्मचारी और शिक्षकगण उपस्थित रहे।

ग्रीष्मकालीन चित्रकला, आर्ट एंड क्राफ्ट कार्यशाला 15 अप्रैल से

प्रयागराज (आरएनएस)। दस दिवसीय कला कार्यशाला सम्मान कल्चर आर्ट फाऊंडेशन प्रयागराज उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क प्रयागराज में 15 अप्रैल से 24 अप्रैल को प्रत्येक शाम 4 बजे से 6 बजे तक होगा। रजिस्ट्रेशन फॉर्म ऑनलाइन व्हाट्सएप के माध्यम से मोबाइल नंबर 8173063018 व 9532892473 पर इच्छुक प्रतिभागी प्राप्त कर सकते हैं। संस्था के सचिव नीरज कुमार कुशवाहा ने बताया सभी प्रतिभागी कलाकारों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा जिसकी रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 14 अप्रैल है।
कार्यशाला के संयोजक रवीन्द्र कुशवाहा पूर्व कार्यकारिणी सदस्य राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश ने बताया कि कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के कलाकार प्रशिक्षक सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करेंगे तथा 20 अप्रैल को शाम 3रू00 बजे से 5रू00 बजे तक रामोत्सव के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन रहेगा, प्रतियोगी चित्रण सामग्री अपने साथ लायेंगे, प्रतियोगिता विजेताओं को प्रथम द्वितीय तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

मरीजों की जेब पर डाका डलवा रहे डाक्टर

मिल्कीपुर–अयोध्या(आरएनएस)। प्रदेश सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग को लगातार निर्देशित किया जा रहा है कि बाहर से मरीजों को दवाएं कदापि न लिखी जाएं। किंतु सौ शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज के चिकित्सकों द्वारा मरीजों को खूब धड़ल्ले से बाहर की दवाएं लिखी जा रही है। अस्पताल के डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टोर संचालकों की मिलीभगत के चलते मरीज और तीमारदार महंगे दामों पर दवाएं खरीदने को विवश हैं। जिसका परिणाम है कि मरीजों की जेब पर दिनदहाड़े डाका डाला जा रहा है। बृहस्पतिवार को अस्पताल पहुंचने पर जो नजारा देखने को मिला वह चौंकाने वाला था। हर मरीज के हाथ में सरकारी पर्चे के अलावा एक छोटी पर्ची थी। जिसमें बाहर की दवाएं लिखी गई थी। जबकि उससे मिलते जुलते फार्मूले की दूसरी दवाएं अस्पताल में मौजूद थीं । सुल्तानपुर जिले के उमरा निवासी हरिशंकर सिंह ने बताया कि हमारे पेट में दर्द रहता था, उसी को दिखाने आया था, इसी गांव की पुष्पा सिंह ने बताया कि मुझे कई दिनों से चक्कर आ रहा था, जिसको दिखाने के लिए डॉ अरविंद मौर्य के पास आई थी। अस्पताल से दवाएं न

देने के बजाय महंगी महंगी बाहर की दवाई लिख दी गई। सुल्तानपुर जिले के ही देवरा गांव निवासी घनश्याम यादव आंख दिखाने तथा राघवेंद्र प्रताप कान दिखाने आए थे। अंदर की दवाई न देने के बजाय बाहर की दवाएं लिखी गई। हम लोग उतना पैसा लेकर नहीं आए थे, इसलिए अब वापस जा रहे है। इस अस्पताल का हर डॉक्टर बाहर की दवा लिख रहा था। क्षेत्र के सोनू सिंह, रितेश श्रीवास्तव, नरेंद्र सिंह सहित कुछ संभ्रांत लोगों ने जब इसका विरोध करते हुए ओपीडी के चिकित्सक डॉ अरविंद कुमार मौर्य से बात की तब उन्होंने कहा कि हम बाहर की दवाई लिखेंगे, जिसको जो करना है करे। इस बात को लेकर डॉक्टर एवं मरीज में तीखी नोंक झोंक भी हुई। बता दें कि इस अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 500 से ज्यादा नई ओपीडी होने के साथ ही 200 पुरानी ओपीडी भी होती है। इस हिसाब से चिकत्सको की सांठ गांठ से अस्पताल के सामने स्थित मेडिकल स्टोर संचालकों की की बन आई है। इस संबंध में प्रभारी सीएमएस डा संतोष सिंह से पूछा गया व बाहर मेडिकल स्टोर से दवा लिखी पर्चियां दिखाई गई, तो उन्होंने कहा कि बाहर की दवाएं नही लिखी जानी चाहिए। चार पर्चियां रख ली व कहा कि आज सीएमएस छुट्टी पर हैं। उनके वापस आने पर हम लोग मीटिंग करके इन पर्चियों के बारे में पूछकर कार्रवाई करेंगे।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने मजदूर को रौंदा, मौत

सुल्तानपुर(आरएनएस) । बल्दीराय में सड़क में मजदूरी कर रहे युवक को ट्रैक्टर ट्रॉली ने रौंद दिया। स्थानीय लोगों ने आनन–फानन में मजदूर को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजते हुए चालक को हिरासत में ले लिया है।
जानकारी के अनुसार बल्दीराय थानाक्षेत्र के बघौना में कुछ दिनों से सड़क निर्माण का काम चल रहा है। दर्जनों मजदूर इसमें रात दिन काम कर रहे हैं। बीते बुधवार की रात भी यहां निर्माण कार्य चल रहा था। उसी समय मजदूरी कर रहा एक युवक जैसे ही सामान लेने के लिए जा रहा था तभी एक एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्रॉली उधर से गुजरी जो उसे रौंदती हुई निकली। हालांकि ग्रामीणों ने दौड़ाकर ट्रैक्टर ट्रॉली को रुकवा लिया। साथ ही थाने पर घटना को लेकर सूचना दी। सूचना पर स्थानीय थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तत्काल मजदूर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक मजदूर की शिनाख्त कोतवाली नगर के चुनहा गांव निवासी गुल्लू (30 वर्ष) पुत्र रामकुमार के रूप में हुई है। एसओ आरबी सुमन ने बताया कि परिवार वालों को घटना की जानकारी देते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर शेष विधिक कार्रवाई की जा रही है।

विदेश में नौकरी के नाम पर युवक से लाखो की ठगी

बल्दीरायसुलतानपुर (आरएनएस)। बहन की सुसराल पहुंचा एक युवक ठगों के चंगुल में फंस जालसाजी का शिकार हो गया। महिला समेत चार जालसाजों ने दुबई भेजने के नाम पर युवक से डेढ़ लाख रुपए वसूल लिए। अंत में उसे टूरिस्ट वीजा पकड़ा दिया, जिससे वो विदेश में काफी परेशान हुआ। यहां लौटकर उसने बल्दीराय थाने में चारों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है।
दरअस्ल बल्दीराय थानाक्षेत्र के पटैला गांव निवासी मो. अशरफ आठ पूर्व बहन मुमताज फातिमा की सुसराल अमेठी के बाजार शुकुल अंतर्गत शाहपुर औलाद हुसैन गांव गया था। पीड़ित की माने तो वो शिक्षित तो था लेकिन उसके पास कोई रोजगार नहीं था। बहन की सुसराल वाले गांव में रुकसाना और मोईन से उसकी भेंट हुई। दोनों ने डेढ़ लाख खर्च करने पर विदेश में अच्छी जॉब की लालच दी। वो झांसे में आ गया तो दोनों जालसाजों ने एजेंट कामिल निवासी हारीमऊ सिंधियावा थाना जगदीशपुर और राशिद से भेंट कराया। बीते 12 सितंबर को रुकसाना ने मोईन के खाते में 25 हजार रुपए डलवाए। इसके बाद 18 अक्टूबर को पीड़ित ने कामिल को अपने घर पर 60 हजार दिए और राशिद के एकाउंट पर 35 हजार रुपए डाले। फिर 30 अक्टूबर को 22 सितंबर से 20 नवंबर 2023 के टूरिस्ट वीजे पर उसे दुबई भेज दिया। अशरफ ने बताया कि दुबई पहुंचने पर ठगी का पता चला। हमने गिरोह के सदस्यों को फोन पर बताया तो ढाई साल का वीजा बढ़वाने के लिए 27 दिसंबर को राशिद के एकाउंट पर 30 हजार रुपए लिए गए। इसके बाद भी ना वीजा की वैलिडिटी बढ़ी ना अशरफ को जॉब ही मिली। हमने एंबेसी से संपर्क किया और 26 जनवरी को जैसे तैसे इंडिया लौटा। अब जब पैसे मांगे और जालसाजों से देने से मना किया तो पुलिस में शिकायत किया।
इस बाबत एसओ आरबी सुमन ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर धोखाधड़ी मारपीट व गालीगलौज की धाराओं में केस पंजीकृत कर लिया गया है। साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हजरत नूर शहीद के उर्स पर शहीदाने इस्लाम कान्फ्रेंस आयोजित

सुल्तानपुर(आरएनएस)। बल्दीराय क्षेत्र के ग्राम सभा नंदौली में, हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 3द 4 अप्रैल को हजरत नूर शहीद (बाबा) रहमतुल्ला अलैह का उर्स मुबारक मनाया जाता है। इसी कड़ी

में इस वर्ष भी 3 अप्रैल को उर्स मुबारक के अवसर पर शहीदाने इस्लाम कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। ये प्रोग्राम ग्राम सभा नंदौली (प्रधान) मुस्लिम खान उर्फ पप्पू की अध्यक्षता में होता है इस प्रोग्राम के अयोजकर्ता गुलाम हैदर उर्फ बब्बू व गुलाम मो0 के साथ गांव के सभी जिम्मेदार और कमेटी के सदस्य रहते हैं। इस कांफ्रेंस में खिताब करने के लिए बरेली शरीफ से चलकर फुरकान रजा मंजरी साहब तशरीफ लाए थे और शायरे इस्लाम व शहंशाहे तरन्नुम जिया यजदानी व गुलाम गौस गजाली बरेली शरीफ से तशरीफ लाए थे इन दोनों शायर ने ऐसा नातिया कलाम पढ़ा जिसे सुनकर जलसेगाह में सभी सुन्नी झूम उठे और नारे तकबीर अल्लाह हू अकबर की सदाएं लगाने लगे लगे। वह शहरे मदीना कितना प्यारा है और साथ साथ हजरत अल्लामा मौलाना फुरकान रजा मंजरी बरेली शरीफ ने इस्लाही बयानात किया और लोगों को इस्लाम में कैसे अपनी जिंदगी को गुजारे और अपने अल्लाह और रसूल को राजी करें इस पर उन्होंने रोशनी डाली और पूरे मुल्क के अमन व चौन के लिए दुआएं भी की इस प्रोग्राम के अवसर पर सुरक्षा दृष्टिगत पुलिस भी

जल निगम विभाग के अधिकारियों ने पंचायत भवन को बनाया गोदाम

अयोध्या(आरएनएस)। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के विकासखंड मिल्कीपुर अंतर्गत डोभियारा पूरे बिषुनपुर गांव में बने पंचायत भवन को जल जीवन मिशन के कर्मियों द्वारा गोदाम बना लिया गया है। पंचायत भवन में संचालित मिनी आंगनवाड़ी केंद्र को भी जल जीवन मिशन के कर्मियों द्वारा सामान रखकर पूरी तरह से प्रभावित किया गया है। वहीं पंचायत भवन में संचालित मिनी आंगनवाड़ी केंद्र में अपना भविष्य संवारने वाले नौनिहालों की शिक्षा–दीक्षा पूरी तरह से चौपट हो रही है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में सभी नागरिकों को शुद्ध पेयजल घर–घर तक पहुंचाने हेतु पाइप बिछाने का कार्य जल निगम विभाग को सौंप दिया है। जल विभाग द्वारा कार्यदाई संस्था जल जीवन मिशन को सभी लोगों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाएं जाने का जिम्मा दे दिया है। जिसके क्रम में जल जीवन मिशन के कर्मियों द्वारा मिल्कीपुर में भी गांव–गांव में पाइपलाइन बिछाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। वहीं विकासखंड मिल्कीपुर के डोभियारा पूरे बिशुनपुर गांव के पंचायत भवन पर जल जीवन मिशन के कर्मियों द्वारा पाइप डंप किया गया है जिससे पंचायत भवन पर आने वाली महिलाएं एवं वृद्ध का रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर पंचायत भवन पर संचालित मिनी आंगनवाड़ी केंद्र पर अपना भविष्य संवारने आने वाले नौनिहालों का भी रास्ता बंद हो गया है जिससे उनका भविष्य पूरी तरह से चौपट हो रहा है। पंचायत भवन पर आने वाली महिलाओं व वृद्ध सहित नौनिहालों का कहना है कि विगत 4 माह से जल जीवन मिशन के कर्मियों द्वारा पाइप रख कर पंचायत भवन को जाने वाला रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। जिससे कई महिलाएं, वृद्ध सहित नौनिहाल गिरकर चोटहिल भी हो चुके हैं। ग्राम प्रधान नरेंद्र सिंह ने बताया कि जल जीवन मिशन से जुड़े कर्मियों को कई समस्या से अवगत कराने के लिए कई बार फोन किया गया लेकिन उनका फोन रिसीव भी नहीं होता है। खंड विकास अधिकारी मिल्कीपुर कृष्ण कुमार सिंह ने बताया कि पंचायत भवन पर रखा जल जीवन मिशन का सामान को अविलंब हटवा कर रास्ता बहाल करा दिया जाएगा।

9 माह का बकाया मानदेय दिलाने के लिए डीएम दफ्तर पहुंचे रोजगार सेवक

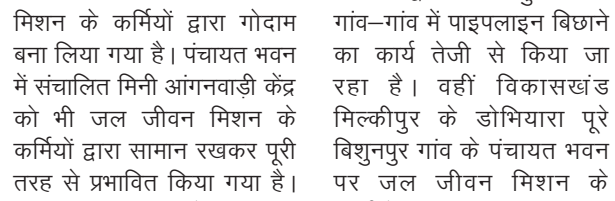

अयोध्या(आरएनएस)। ग्राम रोजगार सेवकों का सब्र का बांध टूटा तो सैकड़ों की संख्या में एकजुट अपनी पीडा सुनाने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गए। डीएम के न मिलने पर ग्राम रोजगार सेवक संघ उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष अमरदीप गौड़ की अगुवाई में नगर मजिस्ट्रेट से मिलकर ज्ञापन सौंपा। बाद में संघ के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में विकासभवन पहुंचे। 9 माह का बकाया मानदेय का भुगतान को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। सीडीओ कार्यालय पर अपनी मांगों के लिए आवाज बुलंद कर रहे सभी रोजगार सेवक अपनी अपनी पीड़ा रखनी चाही तो संख्या बल अधिक होने के कारण 5 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल से सीडीओ से वार्ता कर बिन्दु बार समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर सीडीओ ने डीसी मनरेगा को निर्देशित कर समस्याओं के निस्तारण के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल के साथ सौहार्दपूर्ण वार्ता कर समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जनपद के सभी खण्ड विकास अधिकारी व एपीओ के साथ समीक्षा की। जिला अध्यक्ष अमरदीप गौड़ ने बताया कि शासन से जारी शासनादेश के अनुसार प्रतिमाह 7788 रुपये मानदेय व 2212 रुपये ईपीएफ जमा होता है। लेकिन शासन में बैठे कुछ अधिकारी 7788 शासनादेश को तोडमरोडकर व्याख्यान कर प्रतिमाह कन्टेजेन्सी की बात कर शोषक का काम करते हैं। अप्रैल में बच्चों के एडमिशन, कापी किताब सहित ग्राहस्थी के लिए गुणागणित लगाने पड़ते हैं। अल्प मानदेय में परिवार चलाना कठिन काम लगता है। जीवन के 16 साल मनरेगा में लगा दिये लेकिन मानदेय के लिए भी लड़ाई लड़ना पड़े यह दुःखद है। प्रदेश कोषाध्यक्ष रामू निषाद, महामंत्री सोनू आजाद, मंत्री अजहरुद्दीन, मीडिया प्रभारी सुरेश कनौजिया, सोशल मीडिया प्रभारीध्व्लांक अध्यक्ष पूरा अनूप सिंह, अमानीगंज पंकज मिश्रा, मया अध्यक्ष बीरेन्द्र, मसौधा आदित्य पाण्डेय, तारून शैलेंद्र तिवारी, बिपिन पाण्डेय, श्रीमती वर्मा, अंशिका वर्मा, मिथलेश वर्मा, पन्नालाल, वीरेंद्र सहित सैकड़ों रोजगार सेवक मौजूद थे ।

संपादकीय

चुनावी बान्ड से चंदे पर शेयर धारक क्यों अंधेरे में?

देवाशिष बसु

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने पिछले दिनों चुनावी बॉन्ड पर दो दस्तावेज में जानकारियां सौंपी। चुनावी बॉन्ड खरीदना पूरी तरह कंपनियों एवं उद्यमियों की इच्छा पर निर्भर था मगर प्रश्न यह है कि कोई कंपनी या इकाई अपनी मेहनत की कमाई स्वार्थ सिद्धि करने वाले राजनीतिज्ञों को क्यों दे? कंपनियां तभी ऐसा करती हैं जब उन पर दबाव डाला जाता है या कोई विशेष प्रोत्साहन दिया जाता है।

चुनावी बॉन्ड के जरिये आया स्वैच्छिक चंदा अधिक नहीं माना जा सकता। ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है कि बड़ी कंपनियों के नाम चंदा देने वाली इकाइयों की सूची से नदारद थे। इन दिनों भारत के उद्योग जगत की ज्यादातर बड़ी कंपनियां शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। मगर कुछ क्षेत्रों की लगभग 100 कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड के जरिये राजनीतिक दलों को चंदा दिया। चंदा देने वाली कंपनियों की सूची में कुछ ही बड़ी कंपनियां (निफ्टी 200 शेयर) शामिल थीं।

दानकर्ता कंपनियों की सूची में वेदांत (400 करोड़ रुपये से अधिक), भारती एयरटेल (198 करोड़ रुपये), टॉरंट पावर (106 करोड़ रुपये) और यूनाइटेड फॉस्फोरस (60 करोड़ रुपये) शामिल हैं। मगर इसमें शामिल ज्यादातर कंपनियों ने अपने मुनाफे की तुलना में काफी कम रकम चंदे के तौर पर दी है।

उदाहरण के लिए सन फार्मास्युटिकल्स ने पिछले साल 8,900 करोड़ रुपये शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था मगर उसने मात्र 31.50 करोड़ रुपये (महज 0.3 प्रतिशत) राजनीतिक दलों को चुनावी बॉन्ड के जरिये दिए। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा ने लगभग इतनी ही रकम (25 करोड़ रुपये) चंदे के रूप में दी।

अन्य कंपनियों में बजाज फाइनैंस (20 करोड़ रुपये), बजाज ऑटो (18 करोड़ रुपये), हीरो मोटर्स (20 करोड़ रुपये), टीवीएस मोटर्स (26 करोड़ रुपये), अल्ट्राटेक (35 करोड़ रुपये), मारुति सुजूकी (20 करोड़ रुपये) और पीरामल एंटरप्राइजेज (48 करोड़ रुपये) के नाम सूची में दर्शाए गए हैं।

इससे अधिक दिलचस्प बात यह है कि सूचीबद्ध बड़ी कंपनियों में एक बड़ी संख्या उनकी है जिन्होंने चुनावी बॉन्ड के जरिये चंदा नहीं दिया। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाइटन और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस), इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, विप्रो जैसी कंपनियां शामिल हैं। इस सूची में किसी भी बहुराष्ट्रीय कंपनी का नाम नहीं है और न ही निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन ऐंड टुब्रो दिखाई देती है। यह अलग बात है कि निर्माण क्षेत्र की कुछ कंपनियों ने चुनावी बॉन्ड के जरिये चंदा दिया है।

एक और प्रश्न यह है कि जिन कंपनियों ने चंदा दिया है उन्होंने शेयरधारकों को इसकी स्पष्ट जानकारी दी है या नहीं? मौजूदा समय में बाजार नियामक और स्टॉक एक्सचेंज अधिक से अधिक पारदर्शिता पर जोर दे रहे हैं जिसे देखते हुए चंदा देने वाली कंपनियों को स्पष्टीकरण के साथ इससे जुड़ी जानकारी अनिवार्य रूप से अपने शेयरधारकों को देनी चाहिए।

महिंद्रा ऐंड महिंद्रा, सिप्ला, भारती एयरटेल, पीरामल एंटरप्राइजेज जैसी बड़ी कंपनियों की वित्त वर्ष 2022–23 की सालाना रिपोर्ट का विश्लेषण करें तो इनमें चुनावी बॉन्ड का कहीं जिक्र नहीं है। वेदांत ने चंदे में दी रकम को श्अन्य व्ययच में दिखाया है मगर एक फुटनोट लिखा है जिससे यह पता चलता है कि रकम चुनावी बॉन्ड खरीदने पर खर्च की गई है।

शेयरधारकों के समक्ष पूरी पारदर्शिता बरतना उन कंपनियों के मामले में और भी आवश्यक हो जाता है जो आरोपों या किसी जांच का सामना कर रही हैं। कई बड़ी कंपनियों के नाम चंदा देने वाली इकाइयों की सूची में नहीं हैं मगर दिलचस्प है कि सभी सूचीबद्ध दवा कंपनियां और कई अन्य गैर–सूचीबद्ध कंपनियां के नाम सूची में शामिल हैं।

इनमें कई कंपनियां कर वंचना, खराब गुणवत्ता वाली दवाओं या अधिक कीमत वसूलने के लिए कार्रवाई (कुछ वाजिब तो कुछ कथित रूप से गैर–वाजिब) का सामना कर रही हैं।

चुनावी बॉन्ड से चंदा देने वाले बड़े नामों में दिवीज लैबोरेट्रीज (55 करोड़ रुपये), सिप्ला (39.20 करोड़ रुपये), एल्केम लैबोरेटरीज (15 करोड़ रुपये), डॉ. रेड्डीज (84 करोड़ रुपये), सन फार्मा और मैनकाइंड फार्मा (24 करोड़ रुपये) शामिल हैं। इनमें किसी भी कंपनी ने चुनावी बॉन्ड के बारे में अपने शेयरधारकों के समक्ष बड़े खुलासे नहीं किए हैं।

चुनावी बॉन्ड के गहन विश्लेषण से पता चलता है कि कंपनियां डर या किसी तरह के फायदे–प्रोत्साहन (ठेका, परियोजना या ऑर्डर मिलने में सहूलियत) के लिए चंदा दे रही हैं। इसमें कोई शक नहीं कि राजनीतिक दलों और कंपनियों के बीच अव्यवस्थित बातचीत की वजह से यह आसानी से पता नहीं चलता कि चंदा दबाव या प्रोत्साहन के कारण दिया गया है।

कारण जो भी हो किसी भी सूरत में शेयरधारक और नागरिक दोनों ही अंधेरे में रखे जाते हैं। उदाहरण के लिए सरकार के पूंजीगत व्यय पर विचार करते हैं। केंद्र सरकार सड़क, पुल, स्वच्छता, पेयजल, रेल आधुनिकीकरण और ऊर्जा पर भारी भरकम पूंजीगत व्यय कर रही है। इन परियोजनाओं के लिए बोली प्रक्रिया कुछ निश्चित मानदंडों पर आधारित होती हैं मगर सदैव इनका अनुपालन नहीं होता है।

कंपनियां पूंजी के रूप में बड़े पैमाने पर नकद रकम का इस्तेमाल भी करती हैं। मेघा इंजीनियरिंग (1,200 करोड़ रुपये) की अगुआई में पिची रेड्डी की चार कंपनियां इस सूची में दूसरी सबसे बड़ी दाता के रूप में सामने आई हैं। ऐसी खबरें हैं कि मेघा इंजीनियरिंग ने कई मौकों पर चुनावी बॉन्ड खरीदे हैं। ये सभी बड़ी परियोजनाओं का ठेका लेने से ठीक पहले खरीदे गए हैं। सूची में निर्माण क्षेत्र की एक अन्य बड़ी कंपनी बी जी शिरके कंस्ट्रक्शन ने चुनावी बॉन्ड खरीद कर 117 करोड़ रुपये दान में दिए। कंपनी को महाराष्ट्र में एक बड़ी सस्ती आवास परियोजना और दूसरे सौदे प्राप्त हुए। तो खुलासे को लेकर क्या किया जा सकता है, कम से कम सूचीबद्ध कंपनियों के मामले में? आईएफबी एग्रो ने अपनी सालाना रिपोर्ट 2022–23 में पूरी पारदर्शिता बरती है।

ऐसे उदाहरण यदा–कदा ही मिलते हैं। कंपनी ने कहा है, श्कारोबार को लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पहले भी इसका उल्लेख किया गया है। कारोबार में निरंतरता बनाए रखने और सभी शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए कंपनी ने इस साल चुनावी बॉन्ड खरीदने पर 18.30 करोड़ रुपये खर्च किए। कंपनी ने अप्रैल 2023 में चुनावी बॉन्ड खरीदने पर 15 करोड़ रुपये और खर्च किए। कुल मिलाकर 2021 से आईएफबी एग्रो ने चुनावी बॉन्ड के मद में 92 करोड़ रुपये दिए हैं।श

आईएफबी एग्रो पश्चिम बंगाल में परिचालन करती है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रूप से ताकतवर लोगों का समूह कारोबारी गतिविधियों को अपनी मर्जी के अनुसार चलाता है। इनमें कर्मचारियों की नियुक्ति, ठेकेदार और आपूर्तिकर्ताओं का चयन और नियमित भुगतान संग्रह आदि शामिल हैं। 26 जून 2020 को और फिर 22 दिसंबर 2020 को आईएफबी एग्रो ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि 24 परगना जिले में इसकी डिस्टलरी पर लगभग 150 गुंडों ने हमला किया था।

कैराना लोकसभा सीट यहां के वोटरों ने हरपाल को छोड़ कभी किसी को दोबारा सांसद नहीं चुना

कैराना लोकसभा सीट की बात की जाए तो यहां पर चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। आगामी 19 अप्रैल को इस सीट पर मतदान होगा। जिसकी तैयारी में सभी दलों के पदाधिकारी भी लगे हुए हैं। 2024 का रण अनौपचारिक तौर पर सज चुका है। लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। कभी बीजेपी के दिग्गज नेता रहे स्वर्गीय हुकुम सिंह की कर्मभूमि और पलायन के मुद्दे से देशभर में चर्चाओं में आई कैराना लोकसभा सीट पर इस बार भी सबकी नजर हुई है। कैराना लोकसभा सीट का महाभारत काल से पौराणिक जुड़ाव भी है. यहां के लोग मानते आ रहे हैं कि महाभारत काल में अंगराज कर्ण ने इसे कर्णनगरी के रूप में बसाया था। आजादी की लड़ाई में कैराना देशभक्तों की शरणस्थली रहा था। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाले मराठों को छुपने के लिए कैराना ने जगह दी थी। कैराना वह इलाका है जहां उस्ताद अब्दुल करीम खां के जरिए संगीत के किराना घराने की शुरुआत हुई थी। वह घराना जिसने देश में खयाल गायकी को एक नया रंग दिया था। भीमसेन जोशी इसी घराने के शार्गिद थे, जिन्होंने शमिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमाराश को आवाज दी थी। 2019 के आम चुनाव में यहां से बीजेपी जीती थी। इस सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला नजर आ रहा हैं। हसन परिवार की बेटी इकरा हसन के सामने इस बार जहां विरासत को बचाना चुनौतीपूर्ण है। वहीं सांसद प्रदीप चौधरी को जनता दल के लगातार दो बार सांसद रहे हरपाल सिंह के रिकॉर्ड की बराबरी कर भाजपा को जीत दिलाना आसान नहीं होगा। वहीं पहली बार चुनाव लड़ रहे बसपा के प्रत्याशी श्रीपाल राणा के सामने साख बचाना चुनौती रहेगी। बीते चुनावों पर नजर डालें तो वर्ष 1967 के लोकसभा चुनाव में गयूर अली खान और 1971 में कांग्रेस के टिकट पर शफाकत अली चुनाव जीते थे। 1980 के चुनाव में चौधरी चरण सिंह की पत्नी गायत्री देवी जनता पार्टी (एस) के टिकट पर सांसद चुनी गईं। 1984 में कांग्रेस के चौधरी अख्तर हसन जीते। वर्ष 1989 के बाद कांग्रेस हाशिए पर पहुंचती गई। नब्बे के दशक में उठी राम लहर ने भाजपा को संजीवनी दी। 1991 और 1996 में भाजपा प्रत्याशी उदयवीर सिंह दूसरे नंबर पर थे, लेकिन 1998 में पार्टी के वीरेंद्र वर्मा ने सीट जीत ली। 1996 के लोकसभा चुनाव में सपा को अख्तर हसन के बेटे मुनव्वर हसन ने पहली जीत दिलाई। 98 में भाजपा को जीत मिली लेकिन अगले दो चुनाव रालोद के खाते में गए। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और भाजपा ने तीन–तीन बार कैराना पर जीत दर्ज की है। सपा और बसपा सिर्फ एक बार जीते हैं। 2009 में कैराना जीतने का बसपा सुप्रीमो मायावती का अधूरा सपना पूर्व सांसद मुनव्वर हसन की पत्नी तवस्सुम हसन ने पूरा किया। वर्ष 1984 में कैराना लोकसभा सीट से पहली बार चुनाव में उतरने वाली मायावती को कांग्रेस की लहर में तीसरे पायदान पर ही संतोष करना पड़ा था। राजनीतिक रूप से कैराना हसन परिवार और बाबू हुकुम सिंह के परिवार का गढ़ रहा है। कैराना के राजनीतिक माहौल को वर्ष 2013 के मुजफ्फरनगर दंगे में बदल दिया। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की लहर चली और 2014 में भाजपा के हुकुम सिंह 2.36 लाख वोटों से चुनाव जीते, जो अब तक का यहां का सबसे बड़ा अंतर है। वर्ष 2015 में कैरना के तत्कालीन सांसद बाबू हुकुम सिंह ने अपराधीकरण की वजह से शामली से व्यवसायियों के पलायन का मुझ उठाया था, जिस पर सियासत खूब गरमाई थी। कैराना लोकसभा सीट की बात की जाए तो यहां पर चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। आगामी 19 अप्रैल को इस सीट पर मतदान होगा। जिसकी तैयारी में सभी दलों के पदाधिकारी भी लगे हुए हैं। 2024 का रण अनौपचारिक तौर पर सज चुका है। एक तरफ सपा–कांग्रेस का गठबंधन है तो दूसरी तरफ भाजपा–रालोद एक साथ हैं। पिछला चुनाव सपा के साथ मिलकर लड़ने वाली बसपा

अबकी बार एकला चलो की राह पर है। सपा ने तबस्सुम हसन की बेटी इकरा हसन को उम्मीदवार बनाया है। उनके भाई नाहिद हसन सपा के टिकट पर कैराना से विधायक हैं। लोकसभा क्षेत्र की बाकी चार विधानसभा सीटों में 2 भाजपा और 2 रालोद के पास है।भाजपा ने इस सीट पर दोबारा से सांसद प्रदीप चौधरी को जहां चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं सपा–कांग्रेस गठबंधन से हसन परिवार की बेटी इकरा हसन चुनाव मैदान में ताल ठोक रही है। इसी तरह बसपा ने सहारनपुर के जिले के भावसी निवासी रिटायर्ड बीएसएफ के जवान श्रीपाल राणा को प्रत्याशी बनाया है। प्रदीप चौधरी के सामने दोबारा से इस बार भी सीट पर कमल खिलाने की चुनौती है। क्योंकि सीट पर दो बार सिर्फ जनता दल के प्रत्याशी हरपाल पंवार वर्ष 1989 और 1991 में सांसद रहे थे। इसके बाद कोई भी प्रत्याशी इस सीट पर दो बार लगातार जीत दर्ज नहीं कर सका। प्रदीप चौधरी यदि इस बार चुनाव जीतते हैं तो जनता दल के लगातार दो बार सांसद बनने के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। प्रदीप चौधरी के पिता मास्टर कंवरपाल सिंह भी तीन बार नकुड़ विधानसभा से विधायक रह चुके हैं। प्रदीप चौधरी खुद तीन बार विधायक रह चुके हैं। पिछले चुनाव में प्रदीप चौधरी ने सपा की तबस्सुम बेगम को हराया था। प्रदीप चौधरी को 566961 वोट मिले थे जबकि तबस्सुम को 474801 वोट मिले थे। जबकि तीसरे नंबर पर कांग्रेस के हरेंद्र मलिक रहे थे, जिन्होंने 69355 मत हासिल किए थे। हसन परिवार की बेटी इकरा हसन के सामने विरासत बचाने की चुनौती रहेगी। भाजपा के सांसद हुकुम सिंह की मौत के बाद वर्ष 2018 में उपचुनाव हुआ, जिसमें हसन परिवार की इकरा की मां तबस्सुम हसन ने रालोद से चुनाव लड़ते हुए 4,81,182 प्राप्त कर विजय हासिल की थी।इससे पूर्व 2009 में भी तबस्सुम हसन ने बसपा से चुनाव लड़ा था और 2832590 मत हासिल कर जीत दर्ज की थी। 1996 में सपा से तबस्सुम हसन के पति मुनव्वर हसन ने चुनाव लड़ा था, उन्होंने 184636 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की थी। इससे पूर्व वर्ष 1984 में मुनव्वर हसन के पिता चौधरी अख्तर हसन ने कांग्रेस से चुनाव लड़ते हुए जीत दर्ज की थी। इकरा के भाई नाहिद हसन वर्तमान में कैराना से विधायक हैं।

रफ्तार के नए सौदागर मयंक यादव

मनोज चतुर्वेदी

क्रिकेट में पेस गेंदबाजी की बात है तो पिछले एक दशक में भारत ने इस क्षेत्र में खासी तरक्की की है। ईशांत शर्मा के बाद से शुरू हुए सिलसिले ने जसप्रीत बुमराह की सफलताओं के बाद इस क्षेत्र में खासी तरक्की देखी गई है।दो–तीन साल पहले उमरान मलिक के आईपीएल में सबसे तेज गेंद 153 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार निकालने के बाद अब इस साल लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए पदार्पण करने वाले मयंक यादव ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 155.8 किमी. की रफ्तार निकालकर इस सत्र में अब तक के सबसे तेज गेंदबाज होने का गौरव हासिल कर लिया है।मयंक ने इस मैच में लगातार 150 किमी. से ऊपर की रफ्तार निकालकर लखनऊ को मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 27 रन देकी तीन विकेट लिए। उनकी गति के बारे में हारने वाली टीम के कप्तान शिखर धवन ने कहा कि मयंक की गति ने हमें सरप्राइज कर दिया।हम सभी जानते हैं कि कुछ सालों पहले तक पेस गेंदबाजी की चर्चा होती थी, तो ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज के गेंदबाजों की ही चर्चा हुआ करती थी, लेकिन बुमराह के आने के बाद से भारत भी इस क्षेत्र में लगातार उपलब्धियां हासिल करता रहा है। इससे प्रेरणा पाकर तमाम युवा इस क्षेत्र में सामने आ रहे हैं। पर हमें इन युवाओं के ग्रेजुएशन की व्यवस्था और बेहतर करने की जरूरत है। आईपीएल के माध्यम से ही दो–तीन साल पहले उमरान मलिक निकले थे।जम्मू–कश्मीर का यह पेस गेंदबाज अब तक भारतीय टीम का नियमित सदस्य नहीं बन सका है। अब मयंक यादव की गति की चर्चा तो हो रही है। पर जरूरत इन गेंदबाजों को भारतीय टीम तक पहुंचाने की है। अगर यह गेंदबाज खेलेंगे तो 150 किमी. से ज्यादा की गति निकालने वाले गेंदबाजों की लाइन लग सकती है। मयंक यादव इस बार के घरेलू सीजन की शुरुआत से ही बीसीसीआई चयनकर्ताओं के राडार पर आ गए हैं।असल में देवधर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन ने उन्हें सुर्खियां दिलाई हैं। उन्होंने देवधर ट्रॉफी में 12 विकेट निकाले और संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल को गेंदबाजी करने के लिए बुलाया गया था। यह सभी बल्लेबाज उनकी गेंदबाजी से प्रभावित भी हुए, लेकिन इसी दौरान पसली में फ्रेक्चर होने से वह रणजी सीजन में नहीं खेल सके। एलएसजी के सहायक कोच विजय दहिया की निगाह मयंक पर पड़ी और उन्होंने तत्काल गौतम गंभीर से बात करके उन्हें 2022 की नीलामी में 20 लाख रुपए में खरीद लिया।पर वह चोटिल होने की वजह से 2023 के आईपीएल सीजन में नहीं खेल सके, लेकिन अब वह एक ही प्रदर्शन से सभी की आंखों का तारा बन गए हैं। मयंक के पिता प्रभु यादव बताते हैं कि वह बचपन से ही उसे वेस्टइंडीज के पेस गेंदबाज कर्टली एम्ब्रोस की कहानियां सुनाते थे कि उसकी गेंदबाजी की गति से विरोधी बल्लेबाजों के मन में डर बना रहता था। वह कहते हैं कि मैं उससे इसी तरह का गेंदबाज बनने के लिए कहता था। मयंक को गेंदबाजी में तेजी इसलिए भी भाती थी कि वह बचपन से ही एयरो प्लेन, सुपर बाइक जैसी तेज चीजों को पसंद करते थे। मयंक के 14 साल का होने पर वह उसे तारक सिन्हा संचालित सोनेट क्लब ले गए। वहां कोच देवेंद्र शर्मा ने उनके कॅरियर को शेप देने में अहम भूमिका निभाई। यह कहा जा रहा है कि पिता बचपन से ही चाहते थे कि उनका बेटा भी सचिन तेंदुलकर की तरह क्रिकेटर बने, जिससे उनका नाम भी दुनिया में फैल सके।मयंक को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था। वह स्कूल से लौटते ही गली में साथी बच्चों के साथ क्रिकेट खेलने लगते। इसके बाद वह स्कूल की टीम से खेलने लगे। वह जब 14 साल की उम्र में सोनेट क्लब में शामिल हुए तो उनके कॅरियर को सही दिशा मिली। कोच शर्मा बताते हैं कि वह जब क्लब में ट्रायल में भाग लेने आया था, तब उसके पास सही स्पाइक्स भी नहीं थे। पर उसमें ट्रायल में भाग लेने वाले अन्य गेंदबाजों से तेजी ज्यादा थी। वह कहते हैं कि वह बहुत ही सामान्य लड़का है।

2021–22 के सत्र में जब पहली बार उसे विजय हजारे ट्रॉफी के लिए दिल्ली टीम में चुना गया, तो उसने क्लब में सभी सदस्यों को मिठाई खिलाई।

आरबीआई की एमपीसी बैठक और यथास्थिति से परे

भारतीय रिजर्व बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 2024–25 की पहली बैठक अनुकूल आर्थिक माहौल में होने जा रही है। सोमवार को जारी किए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि मार्च में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह, रिफंड के बिना सालाना आधार पर 18.4 फीसदी बढ़ा।

वर्ष का अंत जीएसटी संग्रह में 13.4 फीसदी इजाफे के साथ हुआ। समग्र कर संग्रह के ताजा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार देखें तो सरकार राजकोषीय घाटे को 2023–24 में सकल घरेलू उत्पाद के 5.8 फीसदी तक रखने के संशोधित आंकड़े को हासिल कर लेगी।सरकार ने मध्यम अवधि में राजकोषीय मार्ग पर टिके रहने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है जिससे रिजर्व बैंक को आश्वस्ति मिलनी चाहिए। अधिक व्यापक तौर पर देखें तो अब सरकार को उम्मीद है कि मार्च तिमाही में वृद्धि दर 8 फीसदी रहेगी जो 2023–24 की पूरे वर्ष की 8 फीसदी की वृद्धि को बल देगी।मुद्रास्फीति के मोर्चे पर भी हालात में सुधार हो रहा है। हेडलाइन खुदरा मुद्रास्फीति अभी भी 5 फीसदी के स्तर से कुछ ऊपर है, कोर मुद्रास्फीति 4 फीसदी के लक्ष्य से कम है जिससे केंद्रीय बैंक को राहत मिलनी चाहिए। मौद्रिक नीति समिति के ताजा अनुमानों के मुताबिक हेडलाइन मुद्रास्फीति की दर चालू वित्त वर्ष में औसतन 4.5 फीसदी रह सकती है। कोर मुद्रास्फीति जहां चार फीसदी से नीचे हैं, वहीं हेडलाइन दर को लक्ष्य से ऊपर रखने में खाद्य मुद्रास्फीति का बहुत अधिक योगदान है।फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति 8.66 फीसदी थी। ध्यान देने की बात है कि खाद्य मुद्रास्फीति ऊपरी स्तर पर है और ऐसा सरकार के सक्रिय हस्तक्षेप के बावजूद है। केंद्र सरकार ने कई खाद्य वस्तुओं के निर्यात और भंडारण सीमा पर अंकुश लगाया है।उदाहरण के लिए गत सप्ताह सरकार ने कारोबारियों, खाद्य प्रसंस्करण करने वालों तथा प्रमुख खुदरा कारोबारियों से कहा कि वे हर शुक्रवार को गेहूं के अपने भंडार की जानकारी दें क्योंकि 31 मार्च को स्टॉक होल्डिंग सीमा समाप्त हो गई। व्यापार और स्टॉक होल्डिंग पर प्रतिबंध अल्पावधि में मुद्रास्फीति को सीमित रखने में मदद कर सकते हैं लेकिन यह रुख उत्पादन तथा दीर्घावधि में अनाज की उपलब्धता को प्रभावित कर सकता है।बहरहाल अगर मुद्रास्फीति की दर एमपीसी के अनुमान के अनुसार बढ़ती है और चालू वित्त वर्ष में औसतन 4.5 फीसदी रहती है तो वास्तविक नीतिगत रीपो दर दो फीसदी होगी जिसे ऊंचा माना जा सकता है और यह वृद्धि को प्रभावित कर सकती है। जैसा कि मौद्रिक नीति समिति के एक सदस्य जयंत आर वर्मा ने पिछली बैठक में कहा था, श्दो फीसदी की वास्तविक ब्याज दर से यह जोखिम पैदा होता है कि वृद्धि को लेकर निराशा का भाव कहीं सही साबित न हो जाए।य

ऐसे में क्या मौद्रिक नीति समिति को नीतिगत दरों में कटौती पर विचार करना चाहिएघ? जैसा कि अधिकांश बाजार प्रतिभागियों का अनुमान है, इस मुकाम पर यथास्थिति बरकरार रखना समझदारी भरा होगा और इसकी कम से कम तीन मजबूत वजह हैं।पहला, देश में आम चुनाव हो रहे हैं और ऐसे में प्रतीक्षा करना उचित होगा। दूसरा, कोर मुद्रास्फीति जहां सहज स्तर पर है, वहीं हेडलाइन दर खाद्य महंगाई के कारण लक्ष्य से काफी ऊपर है और वह अस्थिरता ला सकती है। तीसरा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह इस वर्ष नीतिगत दरों में कटौती करेगा लेकिन यह देखना होगा कि आने वाले महीनों में हालात कैसे बनते हैं।यह बात बाहरी स्थिरता के नजरिये से भी महत्त्वपूर्ण है जिसमें हाल के दिनों में उल्लेखनीय मजबूती आई है। कुल मिलाकर चूंकि फिलहाल वृद्धि को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है इसलिए मौद्रिक नीति समिति प्रतीक्षा कर सकती है और अपस्फीति की प्रक्रिया को पूरा होने दे सकती है।

आज का राशिफल

मेष राशि– आज आपका दिन बढिया रहेगा। आज आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी बातों से आपके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शखघ्स कल आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। ऑफिस में आपका अच्छा काम देखकर कलीग आपसे कुछ नया सीखेंगे। आप लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगे इससे आपको गर्व महसूस होगा।

वृष राशि– आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। आज व्यापार में अच्छा लाभ होने से आप अपनी नयी ब्रांच ओपन करने का विचार अपने घर के साथ करेंगे। आपको परिवार का पूरा सहयोग मिलने से कोई बड़ी समस्या का समाधान कर लेंगे। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा। इस राशि के जो लोग संगीत के क्षेत्र से जुड़े हैं उनके लिए आज का दिन शुभ है।

मिथुन राशि– आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप किसी अपने के साथ बहस करने से बचे, जिससे आपका समय बचेगा। ऑफिस में आज आपके ड्रेसिंग सेंस के बारे में तारीफ करेंगे। लवमेट में चल रही अनबन आज समाप्त होगी लोग एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे। समाज में आपके अच्छे कामों की वजह से आपका सम्मान बढ़ेगा।

कर्क राशि– आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आप जिस काम को काफी दिनों से करने की सोच रहे थे उस काम की शुरुआत आज से कर सकते हैं। दान धर्म के कार्य में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेंगे। भाई व बहनों से चल रही अनबन बातचीत के जरिए समाप्त होगी। जल्द ही आपको काम के अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

सिंह राशि–आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। ज्यादा व्यस्त रहने के कारण आप अपने आसपास ध्यान नहीं दे पाएंगे। अपनों के प्रति प्रेम और विश्वास बढ़ेगा। सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप परिवार के सदस्य की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे, क्योंकि आप उनसे किए हुए वादों को पूरा करेंगे। रचनात्मक कार्य में आप सूझबूझ से आगे बढ़ेंगे।

कन्या राशि– आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है।आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे।

तुला राशि– आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को मानसिक बोझ से छुटकारा मिल सकता है। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आप आगे बढ़ेंगे।

वृश्चिक राशि– आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकते हैं इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में ना करें।

धनु राशि–आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। अपने जरूरी कामों की सूची बनाएंगे जिससे काफी हद तक करने में सफल रहेंगे।

मकर राशि– आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज किसी नए काम को शुरू करने से पहले पूरी योजना बनाएंगे और साथ ही माता–पिता से सलाह लेंगे। आज सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी।

कुंभ राशि– आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों की तरफ रहेगा। लोगों के बीच आपके काम की तारीफ होगी। आज आर्थिक लाभ पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

मीन राशि– आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। किसी काम के लिए की गई आपकी मेहनत रंग लायेगी। करियर के लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। किसी काम के पूरे होने पर आपको प्रसन्नता होगी। आज कार्यस्थल पर हर कोई आपकी बातों को ध्यान से सुनेगा। आपको काम में सीनियर्स का पूरा–पूरा साथ मिलेगा। आपको व्यापार में अचानक धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा।

पचास वर्ष पहले यूरोप में यात्रा करते हुए लगातार 120 घंटे तक भूख सही थी

नारायण मूर्ति (77) मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जिसका विषय 'खाद्य सुरक्षा में उपलब्धियांरू सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भारत के प्रयास' था।संयुक्त राष्ट्र। इंफोसिस के संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने बताया कि वह 50 साल पहले जब यूरोप में यात्रा कर रहे थे तो 120 घंटे तक लगातार उन्होंने 'भूख' महसूस की। नारायण मूर्ति (77) मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन द्वारा यहां संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे जिसका विषय 'खाद्य सुरक्षा में उपलब्धियांरू सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में भारत के प्रयास' था। भारतीय गैर सरकारी संगठन 'अक्षय पात्र फाउंडेशन' द्वारा चार अरबवां भोजन परोसे जाने के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा और पोषण में भारत की नवोन्मेषी रणनीतियों, नीतियों और उपलब्धियों तथा एसडीजी,

विशेष रूप से 'शून्य भूख' के लक्ष्य के साथ उनके संयोजन को दर्शाया गया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के राजनयिकों, अधिकारियों, शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों और भारतवंशी समुदाय के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, ''आपमें से कई ने भूख को नहीं सहा होगा। मैंने किया है।'' नारायण मूर्ति ने कहा कि 50 साल पहले ''मैंने यूरोप में यात्रा करते हुए 120 घंटे लगातार भूख सही थी। यह निश नामक स्थान की बात है जो बुल्गारिया और तत्कालीन यूगोस्लाविया और आज के सर्बिया के बीच सीमा पर स्थित एक शहर है।'' उन्होंने कहा, ''यहां अधिकतर भारतीयों और मुझे भारत सरकार से अच्छी गुणवत्ता वाली और अत्यधिक सब्सिडी वाली शिक्षा प्राप्त हुई है। इसलिए, सभ्य लोगों के रूप में, हमें अपने राष्ट्र के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए और इन असहाय, गरीब बच्चों की भावी पीढ़ी को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने में मदद करनी चाहिए।

चीन ने वैश्विक स्तर पर बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में 'अहम भूमिका' निभाई शीर्ष चीनी बौद्ध भिक्षु

यहां आधिकारिक मीडिया की एक खबर के अनुसार, इस साल के फोरम में, चीनी बौद्ध भिक्षुओं ने श्रीलंका, नेपाल, जापान, वियतनाम, कंबोडिया और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ पहली बार एक संवाद सत्र आयोजित किया। चीनी विचारक संस्था द्वारा आयोजित सम्मेलन में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था, जहां से बौद्ध धर्म 68 ईस्वी में चीन आया था।बीजिंग। चीन ने प्रभावशाली एशियाई बौद्ध भिक्षुओं का एक बड़ा सम्मेलन आयोजित किया है जहां उसके शीर्ष भिक्षु ने कहा कि बीजिंग ने वैश्विक स्तर पर बौद्ध ध र्म के प्रचार में "महत्वपूर्ण भूमिका" निभाई है। बौद्ध धर्म पर सम्मेलन मार्च के अंतिम सप्ताह में हैनान प्रांत के बोआओ में आयोजित 'बोआओ फोरम फॉर एशिया एनुअल कॉन्फ्रेंस' का हिस्सा था। यहां आधिकारिक मीडिया की एक खबर के अनुसार, इस साल के फोरम में, चीनी बौद्ध भिक्षुओं ने श्रीलंका, नेपाल, जापान, वियतनाम, कंबोडिया और दक्षिण कोरिया के अपने समकक्षों के साथ पहली बार एक संवाद सत्र आयोजित किया। चीनी विचारक संस्था द्वारा आयोजित सम्मेलन में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था, जहां से बौद्ध ध र्म 68 ईस्वी में चीन आया था। हाल के दशकों में, चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) ने 1966 से 1976 तक अपने संस्थापक नेता माओत्से तुंग की सांस्कृतिक क्रांति के दौरान बौद्ध मंदिरों पर कार्रवाई के बाद बौद्ध धर्म के 'सिनिसाइज्ड' या चीनी संस्करण को देश में अपनाने की अनुमति दी है, जिसका उद्देश्य समाज से पूंजीपतियों के अवशेषों और पारंपरिक तत्वों को बाहर निकालना है। बीजिंग बौद्ध धर्म के

वैश्विक प्रभाव को भुनाने के अपने प्रयासों के तहत इसे विश्व स्तर पर पेश करना चाहता है। बोआओ में बैठक में चीन के बौद्ध संघ के अध्यक्ष यान जुए ने कहा, "चीनी बौद्धों ने, धर्मग्रंथों के बड़े पैमाने पर अनुवाद, बौद्ध विचारों की व्याख्या, संप्रदायों की स्थापना, संस्थागत नवाचार और सांस्कृतिक एकीकरण के माध्यम से, बुद्ध के मूल इरादे को मूर्त रूप दिया, विरासत में मिले बौद्ध धर्म के सार को आत्मसात किया, पूर्व एशियाई संस्कृतियों, सभ्यताओं, समाजों और लोगों ने जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम जैसे देशों में बौद्ध धर्म के प्रसार को बढ़ावा देने के साथ बौद्ध धर्म की अनुकूलता को बढ़ाया।

जहाज में लगी भीषण आग से बचने के लिए समुद्र में कूदे लोग, सभी 108 यात्री सुरक्षित

सूरत थानी प्रांत से रात भर चलने वाला जहाज थाईलैंड के तट से दूर एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल कोह ताओ पहुंचने ही वाला था कि तभी यात्रियों में से एक ने अचानक एक जोरदार आवाज सुनी और धुएं की गंध महसूस की। मैत्री प्रोमजम्पा ने बताया कि उन्होंने पहले धुंआ और पांच मिनट से भी कम समय में आग लगते हुए देखी और तभी लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और अलार्म बजा दिया। बैंकॉक। थाईलैंड की खाड़ी में बृहस्पतिवार तड़के एक जहाज में लगी भीषण आग से बचने के लिए घबराए यात्री समुद्र में कूद गए। हालांकि सभी 108 लोग सुरक्षित बताये जा रहे हैं। सूरत थानी प्रांत से रात

भर चलने वाला जहाज थाईलैंड के तट से दूर एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल कोह ताओ पहुंचने ही वाला था कि तभी यात्रियों में से एक ने अचानक एक जोरदार आवाज सुनी और धुएं की गंध महसूस की। मैत्री प्रोमजम्पा ने बताया कि उन्होंने पहले धुंआ और पांच मिनट से भी कम समय में आग लगते हुए देखी और तभी लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और अलार्म बजा दिया। उन्होंने द एसोसिएटेड प्रेस को बताया, हम बमुश्किल से ही जीवनरक्षक जैकेट प्राप्त कर सके। अफरा-तफरी मच गयी। लोग चिल्ला रहे थे, मेरे भी आंसू आ गये। सूरत थानी अधिकारियों ने फेसबुक पर बताया कि जहाज पर सवार 108 लोगों में से 97 यात्री थे। प्रांत के जन संपर्क विभाग ने बताया कि सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वीडियो में दिख रहा है कि लोग लाइफ जैकेट पहनकर जहाज के केबिन से तेजी से बाहर निकल रहे हैं। जहाज पर काला धुआं फैलते हुए देखा जा सकता है।

बाद में जहाज से आग की लपटों को निकलते हुए देखा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। आग जहाज के इंजन में लगी थी। इसके कारण की जांच की जा रही है।

75 साल, रूस से अब सीधा टकराव, युद्ध की आग थमने का नाम क्यों नहीं ले रही

पुतिन ने बार-बार कहा है कि शीत युद्ध के बाद रूस को पश्चिम द्वारा धोखा दिया गया था क्योंकि मॉस्को का वारसॉ संधि गठबंधन टूट गया था लेकिन नाटो पूर्व संधि सदस्यों और तीन बाल्टिक राज्यों को लेकर पूर्व की ओर बढ़ गया जो सोवियत संघ का हिस्सा थे। क्रेमलिन ने कहा कि रूस और नाटो अब सीधे टकराव में हैं। अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन ने गुरुवार को अपनी 75वीं वर्षगांठ मनाई। नाटो के पूर्वी विस्तार की क्रमिक लहरें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की प्रतिबद्धता हैं, जो गठबंधन को रूस की सीमाओं के करीब आने से रोकने के घोषित उद्देश्य के साथ दो साल पहले यूक्रेन में युद्ध में गए थे। इसके बजाय, युद्ध ने नाटो को उत्साहित कर दिया है, जो फिनलैंड और स्वीडन के प्रवेश के साथ फिर से विस्तारित हो गया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि वास्तव में संबंध अब सीधे टकराव के स्तर पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि नाटो पहले से ही यूक्रेन के आसपास के संघर्ष में शामिल था (और) हमारी सीमाओं की ओर बढ़ रहा है और हमारी सीमाओं की ओर अपने सैन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है। पुतिन ने बार-बार कहा है कि शीत युद्ध के बाद रूस को पश्चिम द्वारा धोखा दिया गया था क्योंकि मॉस्को का वारसॉ संधि गठबंधन टूट गया था लेकिन नाटो पूर्व संधि सदस्यों और तीन बाल्टिक राज्यों को लेकर पूर्व

की ओर बढ़ गया जो सोवियत संघ का हिस्सा थे। पश्चिम ने उस संस्करण को खारिज कर दिया, यह कहते हुए कि नाटो एक रक्षात्मक गठबंधन है और इसमें शामिल होना उन देशों के लिए एक लोकतांत्रिक विकल्प था, जिन्होंने दशकों के कम्युनिस्ट शासन को हिला दिया था।दनाटो का कहना है कि वह यूक्रेन को रूसी आक्रामकता के सामने अपने अस्तित्व की लड़ाई में मदद कर रहा है, और उसने कीव को उन्नत हथियार, प्रशिक्षण और खुफिया जानकारी प्रदान की है। रूस का कहना है कि यह वास्तव में नाटो को संघर्ष में एक पक्ष बनाता है। पुतिन ने फरवरी में कहा था कि रूस और नाटो के बीच सीधे संघर्ष का मतलब होगा कि ग्रह तीसरे विश्व युद्ध से एक कदम दूर है।

क्या मालदीव की तरह बांग्लादेश में सफल होगा इण्डिया आउट इस वक्त क्या ढाका दिल्ली के साथ व्यापार संबंध तोड़ने का जोखिम उठा सकता है ?

अभियान की तीव्रता दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर चल रही बातचीत को पटरी से उतारने और बांग्लादेश की आर्थिक समृद्धि को बाधित करने के लिए है। बांग्लादेश की स्थिति और उसकी स्वतंत्रता में भारत की भूमिका ने भारत कारकष् को उसकी घरेलू राजनीति में एक शक्तिशाली प्रवचन के रूप में स्थापित किया है। सोशल मीडिया पर ष्इंडिया आउटष् अभियान का उद्भव, ड़ ष्द क प ं ट न ज , ठवलबवजजप्दकपं जैसे हैशटैग के साथ भारतीय उत्पादों के बहिष्कार की वकालत करता है, उसी की प्रतिक्रिया के रूप में आता है। मौलाना अब्दुल हामिद खान भशानी से लेकर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाले वर्तमान विपक्षी गठबंधन तक, बांग्लादेश के इतिहास में भारत विरोधी रुख के उदाहरण हैं। भशानी चीन समर्थक थे और इस्लामी समाजवाद के मॉडल में विश्वास करते थे। उन्होंने बांग्लादेश को भारत का उपग्रह बनाने के लिए शेख मुजीबुर रहमान की आलोचना की और अवामी लीग (एएल) के खिलाफ दाएं और बाएं चरमपंथियों का गठबंधन बनाने की कोशिश की। बीएनपी, जो केंद्र की दक्षिणपंथी ताकतों का प्रतिनिधित्व करती है, के पास भशानी से प्रेरित एक रूढ़िवादी सामाजिक निर्वाचन क्षेत्र है। पार्टी को उसके कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान, खालिदा जिया के बेटे, लंदन से दूर से नियंत्रित करते हैं, जहां वह निर्वासन में हैं। 2006 के बाद से लगातार गिरावट को देखते हुए बीएनपी के रुख को राजनीतिक गति हासिल करने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। 2014 और 2024 के चुनावों के बहिष्कार ने देश में बीएनपी के राजनीतिक प्रभाव और संगठनात्मक ताकत के नुकसान में योगदान दिया है। यह एक कारण हो सकता है कि रुहुल रिजवी और अमीर खसरू महमूद चौधरी समेत

इसके कुछ नेतृत्व, बहिष्कार भारत आंदोलन का समर्थन करते दिख रहे हैं, भले ही पार्टी ने खुद कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। रिजवी ने ढाका के नयापलटन में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय के सामने सार्वजनिक रूप से अपना कश्मीरी शॉल फेंक दिया और भारतीय उत्पादों के बहिष्कार का आह्वान किया। दूसरी ओर, पिछले दशक में देश के आर्थिक प्रदर्शन की बात करें तो शेख हसीना का ट्रैक रिकॉर्ड मजबूत रहा है। बांग्लादेश के 2041 तक मध्यम आय वाला देश बनने की उम्मीद है, जबकि 2026 में यह सबसे कम विकसित देशों की सूची से बाहर होने की राह पर है। बांग्लादेश अन्य दक्षिण एशियाई देशों की तुलना में मानव विकास सूचकांक के मापदंडों पर खुद को औसत से ऊपर पाता है। क्या ढाका दिल्ली के साथ व्यापार संबंधा तोड़ने का जोखिम उठा सकता है? विश्व बैंक के अनुसार, 1991 में बांग्लादेश को भारतीय निर्यात का मूल्य लगभग 324 मिलियन डॉलर था। दिलचस्प बात यह है कि बीएनपी के पहले कार्यकाल के दौरान 1996 में यह बढ़कर 868 मिलियन डॉलर हो गया। इसी प्रकार इसके दूसरे कार्यकाल के दौरान, 2001 में, भारत से निर्यात लगभग 1.06 बिलियन डॉलर था, जो 2006 में बढ़कर 1.66 बिलियन डॉलर हो गया। भारत और बांग्लादेश के बीच घनिष्ठ आर्थिक साझेदारी बांग्लादेश की समृद्धि के पीछे के कारकों में से एक रही है। बांग्लादेश से भारत की निकटता स्वाभाविक व्यापार लाभ में तब्दील हो जाती है। साझा भूमि सीमाएँ और अच्छी तरह से स्थापित परिवहन लिंक माल की आवाजाही की सुविधा प्रदान करते हैं, अक्सर चीन जैसे अधिक दूर के स्थानों से आयात की तुलना में कम लागत पर। भारत बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा आयात स्रोत है, 2021-22 में बांग्लादेशी बाजार में 13.69 बिलियन डॉलर का चौंका देने वाला माल प्रवेश करेगा। बांग्लादेश को भारत के निर्यात में एक प्रमुख विषय कपड़ा उद्योग के लिए आपूर्ति श्रृंखला है। बांग्लादेश का परिधान विनिर्माण क्षेत्र, जो इसके आर्थिक विकास का एक प्रमुख चालक है, भारत से आने वाले कच्चे माल और मध्यवर्ती वस्तुओं पर बहुत अधिक निर्भर करता है। 2022 में, गैर-खुदरा शुद्ध सूती धागा और कच्चा कपास (कुल आयात का 20.1 प्रतिशत) भारत के शीर्ष आयातों में से थे। घरेलू खपत के साथ-साथ निर्यात के लिए परिधान बनाने के लिए उपयोग किए जाने से पहले इन सामग्रियों को बांग्लादेशी कारखानों में धागे और कपड़े में बदल दिया जाता है। जबकि कपड़ा क्षेत्र सर्वोच्च है, भारत बांग्लादेश को परिष्कृत पेट्रोलियम की भी आपूर्ति करता है जो बिजली उद्योगों और परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। अन्य महत्वपूर्ण आयातों में फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और मशीनरी शामिल हैं, जो इस व्यापार संबंध की बहुमुखी प्रकृति को उजागर करते हैं। हाल ही में, भारत ने रमजान से पहले बांग्लादेश को 50,000 टन प्याज का निर्यात किया, जो दिसंबर 2023 में फसल पर निर्यात प्रतिबंध को छोड़कर था। यह लहसुन, नारियल तेल और मसालों जैसी आवश्यक वस्तुओं के अलावा है। दोनों देशों के बीच अनौपचारिक व्यापार के उदाहरण भी सामने आए हैं, जो बांग्लादेश में मुद्रास्फीति को स्थिर करने में महत्वपूर्ण हैं।

फोन पर भिड़े बाइडेन-जिनपिंग और इधर चीन पहुंची अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट, जानें क्या है वजह

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने नियमित बातचीत फिर से शुरू की है और अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने पिछले साल बीजिंग का दौरा किया था। लेकिन देश अभी भी आर्थिक मुद्दों पर कटाक्ष करते हैं क्योंकि वे उन्नत प्रौद्योगिकियों में श्रेष्ठता के लिए लड़ते हैं और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए काम करते हैं। जैसे ही येलेन गुरुवार को चीन पहुंचीं, उन्हें किन मुद्दों का सामना करना पड़ा? ताइवान, यूक्रेन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जलवायु परिवर्तन के बारे में लगभग दो घंटे तक जिनपिंग और बाइडेन की बात के बाद अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन आज चीन पहुंचने वाली हैं। वह दक्षिणी शहर गुआंगजौ और राजधानी बीजिंग की यात्रा करेंगी। पर्यवेक्षकों का मानना घ्है कि अमेरिकी चुनावी वर्ष के दौरान काफी स्थिर संबंधों को बनाए रखने में मदद करने के लिए अमेरिका-चीन संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों में व्यापार एक मुख्य फैक्टर है। अमेरिकी ट्रेजरी के अनुसार, गुआंगजौ और बीजिंग में उनके

यात्रा कार्यक्रम में अर्थशास्त्रियों, अमेरिकी व्यवसायों, गुआंग्डोंग के गवर्नर वांग वेइजहोंग और बीजिंग के मेयर यिन योंग के साथ बैठकें शामिल होंगी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने नियमित बातचीत फिर से शुरू की है और अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने पिछले साल बीजिंग का दौरा किया था। लेकिन देश अभी भी आर्थिक मुद्दों पर कटाक्ष करते हैं क्योंकि वे उन्नत प्रौद्योगिकियों में श्रेष्ठता के लिए लड़ते हैं और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने के लिए काम करते हैं। जैसे ही येलेन गुरुवार को चीन पहुंचीं, उन्हें किन मुद्दों का सामना करना पड़ा? सौर और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे हरित ऊर्जा क्षेत्रों का हवाला देते हुए, वाशिंगटन इस बात से सावधान है कि सस्ते चीनी निर्यात वैश्विक बाजारों में बाढ़ ला सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका इन क्षेत्रों में अपनी आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए काम कर रहा है। अटलांटिक काउंसिल ने कहा कि चीनी बैंकों ने देश के विनिर्माण क्षेत्रों के लिए बड़ी नई उधारी की सुविधा प्रदान की है, जिससे 2023 की तीसरी तिमाही में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 700 बिलियन डॉलर (58.40 लाख करोड़ रुपये) का नया ऋण मिला है। इसमें कहा गया है कि यह अक्सर बाजार से नीचे की ब्याज दरों पर होता था। ईवी से लेकर बैटरी तक उत्पाद बनाने वाली नई फैक्ट्रियों के साथ, ऐसी आशंकाएं हैं कि बीजिंग उस उत्पादन को अवशोषित करने के लिए वैश्विक बाजार पर निर्भर हो सकता है जिसे घरेलू मांग अवशोषित नहीं कर सकती है।

ताइवान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 10, लापता लोगों की तलाश में जुटे बचावकर्मी

अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति क्षतिग्रस्त इमारत में मृत पाया गया जबकि दूसरा हो रेन खदान में मृत मिला। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार दोपहर को एक पगडंडी से एक शव बरामद किया। राष्ट्रीय दमकल एजेंसी के मुताबिक करीब 700 लोग लापता हैं, जिसमें से 600 से ज्यादा तारोको के सिल्क प्लेस नाम के एक होटल के भीतर फंसे हुए हैं। हुआलीन। ताइवान में आए शक्तिशाली भूकंप के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को बचावकर्मी लापता लोगों की खोज में जुट हुए हैं। ताइवान में बुधवार को आये भूकंप को बीते 25 वर्ष में सबसे शक्तिशाली भूकंप माना जा रहा है, जिससे कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गयीं और कई लोग दूर-दराज के इलाकों में फंस गये। भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गयी है। भूकंप के केंद्र के समीप पूर्वी तटीय शहर हुआलीन में मजदूरों ने एक क्षतिग्रस्त इमारत को स्थिर करने के लिए उसके चारों ओर निर्माण सामग्री डालने के लिए खुदाई की। मेयर सू चेन-वेई ने पहले कहा था कि भूकंप से 48 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। इन क्षतिग्रस्त इमारतों में से कुछ के भूतल ढह गये, जिसकी वजह से ये इमारतें खतरनाक तरीके से झुक गईं। हुआलीन में रहने वाले कुछ लोग फिलाहल तंबू में रह रहे हैं और इस जगह को राजधानी ताइपे से जोड़ने वाली मुख्य सड़क बृहस्पतिवार दोपहर बाद भी बंद रही हालांकि ताइवान के अधिकांश हिस्सों में जन-जीवन सामान्य होता दिखाई दिया। सेंट्रल न्यूज एजेंसी की खबर के अनुसार, हुआलीन के लिए स्थानीय रेल सेवा को फिर से शुरू किया गया और कुछ ट्रेनों को चलने की अनुमति दी गयी। भूकंप में करीब 1070 लोग घायल हुए हैं। मारे गये 10 लोगों में से कम से कम चार व्यक्ति तारोको राष्ट्रीय उद्यान के भीतर थे। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति क्षतिग्रस्त इमारत में मृत पाया गया जबकि दूसरा हो रेन खदान में मृत मिला। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार दोपहर को एक पगडंडी से एक शव बरामद किया। राष्ट्रीय दमकल एजेंसी के मुताबिक करीब 700 लोग लापता हैं, जिसमें से 600 से ज्यादा तारोको के सिल्क प्लेस नाम के एक होटल के भीतर फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कर्मचारी और मेहमान सुरक्षित हैं और उनके पास भोजन व पानी है। उन्होंने बताया कि होटल की सड़कों की मरम्मत का काम पूरा होने के करीब है।उन्होंने कहा कि जिन अन्य लोगों के फंसे होने की सूचना है, उनमें दो दर्जन पर्यटक और विश्वविद्यालय के छह छात्र भी बिल्कुल सुरक्षित हैं।

क्यों कगिसो रबाडा अपने और न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड पर भड़के ? जानें कारण

इसी साल की शुरुआत में जनवरी–फरवरी में न्यूजीलैंड के दौरे पर एक नई टेस्ट टीम भेजनी पड़ी थी। साउथ अफ्रीका में टी20 लीग खेली जा रही थी। ऐसे में क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से अनुरोध किया था कि वे दो मैचों की टेस्टी सीरीज के शेड्यूल को आगे–पीछे कर दें, लेकिन न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके लिए तैयार नहीं हुआ था। साउथ अफ्रीका को इसी साल की शुरुआत में जनवरी–फरवरी में न्यूजीलैंड के दौरे पर एक नई टेस्ट टीम भेजनी पड़ी थी। साउथ अफ्रीका में टी20 लीग खेली जा रही थी। ऐसे में क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से अनुरोध किया था कि वे दो मैचों की टेस्टी सीरीज के शेड्यूल को आगे–पीछे कर दें, लेकिन न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके लिए तैयार नहीं हुआ था। इसको लेकर कगिसो रबाडा ने कहा कि ये स्वीकार्य नहीं है। दरअसल, कगिसो रबाडा के अलावा कई बड़े खिलाड़ी न्यूजीलैंड के दौरे पर टेस्ट सीरीज खेलने नहीं जा पाए थे। 7 नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल करना पड़ा था। यहां तक कि जो कप्तान था, उसको भी एक टेस्ट मैच का भी अनुभव नहीं था। इस सीरीज को मेजबानों ने ही 2–0 से जीता। उस विवादास्पद प्रकरण को देखते हुए कगिसो रबाडा ने उम्मीद जताई कि खिलाड़ियों को दोबारा ऐसे अप्रिय क्षणों से नहीं गुजरना पड़ेगा। बाडा ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा कि, ये बहुत ही अस्वीकार्य था और आज भी स्वीकार्य नहीं है। ये स्पष्ट एक योजना संबंधी मुद्दा था। ये अस्वीकार्य है, इसके बारे में मैं बस इतना ही कहूंगा। रबाडा ने ये भी कहा कि जो खिलाड़ी गए, उनकी आलोचना नहीं की जा सकती, क्योंकि उनसे जाने के लिए पूछा गया और आखिर में वे ना करने वाले नहीं थे। उन्होंने कहा कि ये एक प्लानिंग का मुद्दा था। उन्होंने क्रिकेट साउथ अफ्रीका पर भी सवाल उठाया और कहा कि, ये एक प्लानिंग का मुद्दा है और इसका संबंध उच्च स्तर पर क्या हो रहा है उससे है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका के साथ क्या हुआ।

टूटे व्यूअरशिप के पुराने रिकार्ड, अभी 10 मैचों को 35 करोड़ लोगों ने देखा

इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में अभी तक 16 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इस दौरान फैंस को कई हाईवोल्टेज मुकाबले देखने को मिले हैं और मैच के दौरान कई रिकॉर्ड भी बने हैं। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए सभी टीमें कड़ी महेनत कर रही हैं। इस बीच आईपीएल के जारी सीजन के शुरुआती 10 मैचों की व्यूअरशिप सामने आई है, जिसने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आईपीएल 2024 में अभी तक 16 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इस दौरान फैंस को कई हाईवोल्टेज मुकाबले देखने को मिले हैं और मैच के दौरान कई रिकॉर्ड भी बने हैं। प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए सभी टीमें कड़ी महेनत कर रही हैं। इस बीच आईपीएल के जारी सीजन के शुरुआती 10 मैचों की व्यूअरशिप सामने आई है, जिसने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग के आधिकारिक प्रसारक डिज्नी स्टार ने गुरुवार को कहा कि शुरुआती 10 आईपीएल मैचों का लाइव प्रसारण 35 करोड़ लोगों ने देखा है। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्व काउंसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक आईपीएल के 17वें सीजन के शुरुआती 10 मैचों में 35 करोड़ लोगों ने देखा। प्रसारक ने कहा कि ये टूर्नामेंट के किसी भी पिछले सीजन की तुलना में ज्यादा है। कोविड के समय का भी रिकॉर्ड ध्वस्त हो गया। शुरुआती 10 मैचों का वॉच टाइम 8,028 करोड़ मिनट दर्ज किया गया है, जो पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत ज्यादा है। टूर्नामेंट के 17वें सीजन के लिए मैच रेटिंग भी पिछले सीजन की तुलना में 22 प्रतिशत बढ़ी है। 8 से 14 अप्रैल के बीच और रोमांचक मुकाबले होने वाले हैं और ब्रॉडकास्टर को उम्मीद है कि टूर्नामेंट के व्यूअरशिप में बढ़ोत्तरी होगी। हीं डिज्नी स्टार के खेल प्रमुख संजोग गुप्ता ने कहा कि, हम टाटा आईपीएल 2024 के रिकॉर्ड–तोड़ दर्शकों के आकंड़ों से अभिभूत हैं। डिज्नी स्टार ने 17वें सीज की शुरुआत वहीं से की है। जहां पिछले साल इसे छोड़ा गया था। टीवी पर कई इंटरैक्टिव प्रोग्राम और मल्टी प्लेटफॉर्म फैन एंगेजमेंट से आईपीएल देखने के अनुभव को बढ़ाने के हमारे प्रयास की सफलता को भी दर्शाते हैं। हम खेल फैंस की सेवा करने और नए दर्शकों को शामिल करने के अपने दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

केकेआर से मिली हार से टूटे पंत, शाहरुख खान ने दी जादू की झप्पी

दरअसल, हार के बाद पंत रिंकू सिंह से बात कर रहे थे। इसी बीच दिल्ली के कप्तान को सरप्राइज मिला। केकेआर के को ओनर शाहरुख खान अचानक पंत के पास आए और उन्हें जादू की झप्पी दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 के एक मुकाबले में 106 रन के बड़े अंतर से हराया। बतौर कप्तान ऋषभ पंत ने आखिर तक दिल्ली को जिताने की कोशिश की। उन्होंने 25 गेंद में 55 रन की तूफानी पारी खेली लेकिन फिर भी वो टीम को जीत नहीं दिला सके। इस हार के बाद पंत काफी मायूस नजर आए। वहीं इस हार के साथ ही दिल्ली की टीम प्वाइंट्स टेबल में 9वें नंबर पर खिसक गई है। केकेआर की शानदार जीत पर शाहरुख खान को केकेआर और दिल्ली के खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से मिलते देखा गया। जहां उन्होंने पंत को गले लगाया और फैंस का दिल भी जीत लिया।

हार्दिक पंड्या से नाराज हैं रोहित शर्मा, अगले सीजन में बदलेंगे टीम!

वहीं के खेमे में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब एक खबर आ रही है कि टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हार्दिक पंड्या की कप्तानी से खुश नहीं हैं। न्यूज 24 स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा अगले सीजन में अपनी टीम बदल सकते हैं।आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस टीम का जीत का खाता अब तक नहीं खुला है। टीम पहली जीत के लिए अभी भी तरस रही है। वहीं ड५ के खेमे में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब एक खबर आ रही है कि टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हार्दिक पंड्या की कप्तानी से खुश नहीं हैं। न्यूज 24 स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शर्मा अगले सीजन में अपनी टीम बदल सकते हैं। न्यूज 24 स्पोर्ट्स के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के एक खिलाड़ी ने जानकारी दी है कि रोहित शर्मा हार्दिक पंड्या की कप्तानी से नाखुश हैं। जिससे ड्रेसिंग रूप में भी दरार आ गई है। नतीजे एमआई के पक्ष में नहीं जाने से हालात और भी खराब हो गए हैं। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में लगातार टीम को हार का मुंह देखना पड़ रहा है। सूत्र ने आगे बताया कि, दोनों खिलाड़ियों के बीच कई फैसलों पर बहस हो रही है, जिससे ड्रेसिंग रुम में माहौल अच्छा नहीं बन पा रहा है। मुंबई ने अबतक अपनी सभी तीन मैच गंवा दिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में मुंबई के लगातार खराब प्रदर्शन के चलते अब टीम की कप्तानी में बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, सीजन के बीच में कप्तानी में बदलाव संभव है, लेकिन नेतृत्व में बदलाव से पहले हार्दिक को चीजों को बदलने के लिए कम से कम 2 और मैच मिलेंगे।

अस्वीकार्य, निराशाजनक...केकेआर के खिलाफ हार के बाद कोच रिकी पोंटिंग का फूटा गुस्सा

रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राडर्स से 106 रन से मिली हार को अस्वीकार्य और निराशाजनक बताते हुए अपनी टीम को फटकार लगाई है। दिल्ली कैपिटल्स ने पहले केकेआर को सात विकेट पर 272 रन बनाने दिये और बाद में पूरी टीम 17 . 2 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राडर्स से 106 रन से मिली हार को अस्वीकार्य और निराशाजनक बताते हुए अपनी टीम को फटकार लगाई है।

दिल्ली कैपिटल्स ने पहले केकेआर को सात विकेट पर 272 रन बनाने दिये और बाद में पूरी टीम 17 . 2 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। पोंटिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' अभी इसकी समीक्षा करना मुश्किल है। पहले हाफ में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं।'' उन्होंने कहा ,'' इतने रन देना समझ से परे है। हमने 17 वाइड गेंद डाली और अपने ओवर पूरे करने में दो घंटे लगे।

नतीजा हम फिर दो ओवर पीछे रह गए जिसके मायने है कि आखिरी दो ओवर डालने वालों को सर्कल के बाद चार ही फील्डर मिले।'' उन्होंने कहा ,'' मैच में बहुत कुछ हुआ जो अस्वीकार्य है। हम टीम के भीतर इस पर बात करेंगे और जल्दी ही इसमें सुधार करेंगे। खुलकर अच्छी बातचीत होना जरूरी है।गेंदबाजी , फील्ड प्लेसमेंट सभी पर बात करनी होगी।

मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, सूर्यकुमार यादव हुए फिट, स्क्वाड से जुड़ेंगे

दरअसल, टी20 के नंबर–1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिट हो गए हैं। उन्हें नेशनल क्रिकेट एकेडमी से आईपीएल में खेलने का क्लीयरेंस मिल गया है। अब वो शुक्रवार को मुंबई के स्क्वॉड से जुडेघ्गे और 5 अप्रैल को टीम के नेट सेशन में भी हिस्सा ले सकते हैं। फिलहाल, मुंबई टीम जामनगर में ब्रेक का मजा ले रही है।आईपीएल 2024 में लगातार हार का मुंह देख रही और जीत को तरस रही मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, टी20 के नंबर–1 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिट हो गए हैं। उन्हें नेशनल क्रिकेट एकेडमी से आईपीएल में खेलने का क्लीयरेंस मिल गया है। अब वो शुक्रवार को मुंबई के स्क्वॉड से जुडेघ्गे और 5 अप्रैल को टीम के नेट सेशन में भी हिस्सा ले सकते हैं। फिलहाल, मुंबई टीम जामनगर में ब्रेक का मजा ले रही है। मुंबई इंडियंस से जुड़े सूत्र ने बताया कि, सूर्यकुमार यादव को एनसीए से मंजूरी मिल गई है और वह अब पूरी तरह से फिट होकर शुक्रवार को टीम से जुड़ेंगे। वह 5 अप्रैल को नेट सत्र में हिस्सा लेंगे, तो देखते हैं कि ये कैसे होता है। उन्हें रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम का हिस्सा होना है। बता दें कि, सूर्या पिछले साल दिसंबर में साउथ अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज के एक मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। उनके टखने पर चोट लगी थी। इसी दौरान उनकी स्पोर्ट्स हर्निया की भी सर्जरी हुई थी। इसी कारण से वो लंबे वक्त से क्रिकेट मैदान से दूर हैं। सर्जरी के बाद से ही वो बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में अपना रिहैब पूरा कर रहे थे। अब उन्हें आईपीएल 2024 में खेलने की अनुमति मिल गई है।

कौन हैं अंगकृष रघुवंशी ? अंडर–19 वर्ल्ड कप के बाद अब आईपीएल में मचाई गदर

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपना तीसरा मुकाबला जीत लिया। इस मैच में केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने आईपीएल 2024 में अपने पहले मैच में जोरदार अर्धशतक लगाकर क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने 54 रनों की दमदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपना तीसरा मुकाबला जीत लिया। इस मैच में केकेआर के लिए अंगकृष रघुवंशी ने विस्फोटक प्रदर्शन किया। उन्होंने आईपीएल 2024 में अपने पहले मैच में जोरदार अर्धशतक लगाकर क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी। 18 वर्ष की उम्र में उन्होंने 54 रनों की दमदार पारी खेलकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही अपनी पहली आईपीएल पारी में अर्धशतक लगाने वाले वह सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बन गए। उन्होंने आरसीबी के खिलाफ डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। दिल्ली के खिलाफ अंगकृष ने सख्त रुख अख्तियार किया। उन्होंने मात्र 27 गेंदों में 54 रन की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 200 के स्ट्राइक रेट से पांच चौके और तीन छक्के ठोके। वह कोलकाता के लिए सबसे कम उम्र में अर्धशतक ठोकने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 18 वर्ष 303 दिन की उम्र में ये कारनामा किया। इससे पहले शुभमन गिल ने 18 वर्ष 237 दिन की आयु में चेन्नई के खिलाफ पचासा लगाया था। अंगकृष को 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर एनरिक नॉर्त्जे ने ईशांत शर्मा के हाथों कैच कराया। उनकी इसी पारी के दम पर कोलकाता ने 272 रन का स्कोर तैयार किया।

पृथ्वी शॉ की बढ़ी मुश्किलें, छेड़छाड़ के आरोप में मुंबई कोर्ट ने जांच के दिए आदेश

पृथ्वी शॉ मुश्किलों में घिर सकते हैं। मुंबई की एक अदालत ने पुलिस को सपना गिल के आरोपों की जांच करने के निर्देश दे दिए हैं। दरअसल, सपना गिल ने 2023 में बल्लेबाज पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एससी तायडे ने पुलिस 19 जून से पहले रिपोर्ट सौंपने को कहा है। भारतीय बल्लेबाज पृथ्वी शॉ मुश्किलों में घिर सकते हैं। मुंबई की एक अदालत ने पुलिस को सपना गिल के आरोपों की जांच करने के निर्देश दे दिए हैं। दरअसल, सपना गिल ने 2023 में बल्लेबाज पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए थे। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एससी तायडे ने पुलिस 19 जून से पहले रिपोर्ट सौंपने को कहा है। ये मामला पिछले साल सामने आया था, जब सपना गिल ने शॉ पर अंधेरी के पब में छेड़छाड़ करने के आरोप लगाए थे। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने सभी आरोपों को नकार दिया था। सपना ने पिछले साल फरवरी में एक बस के बाद शॉ पर हमला भी कर दिया था, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। हालांकि, फिलहाल वह जमानत पर बाहर हैं। सपना ने दावा किया था कि पुलिस ने शॉ के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं की थी। इसके बाद क्रिकेट के खिलाफ ये मामला मजिस्ट्रेट अदालत में चला। इस बीच पुलिस ने अपनी तरफ से सभी आरोपों को निराधार ठहराया। ये भी स्पष्ट किया गया कि सपना और उनका दोस्त घटना के समय नशे में थे। गिल ने शॉ के खिलाफ आईपीसी की धारा 354, 509 और 324 के तहत एफआईआर की मांग की है। जिसे अस्वीकार कर दिया गया है। फिलहाल, पृथ्वी इन दिनों आईपीएल 2024 में व्यस्त हैं।

बढ़ते वजन ही नहीं आधा दर्जन समस्याओं से छुटकारा दिलाएगा नारियल पानी, गर्मी में रोजाना पिएं

नारियर पानी सेहत बेहद फायदेमंद और हेल्दी होता है. इसमें कैलोरी बहुत कम होता है और इसे पीने के बाद काफी देर तक पेट भरा भी रहता है. इससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है. कोकोनट वॉटर में इलेक्ट्रोलाइट भरपूर होता है, जिससे शरीर में पानी की कमी नहीं होती है. इस पानी को पीने से वजन तो कम होता ही है, कई समस्याएं भी शरीर से दूर रहती हैं. जानिए नारियल पानी के क्या–क्या फायदे हैं...

नारियल पानी के 6 जबरदस्त फायदे

कैलोरी करे कम

नारियल पानी में काफी कम कैलोरी होती है. इसे पीने से शरीर को जबरदस्त एनर्जी मिलती है. इसीलिए वजन कम करने की चाहत रखने वालों के लिए यह शानदार विकल्प माना जाता है. इससे पेट भी लंबे समय तक भरा–भरा रहता है.

हाइड्रेशन में हेल्प करे

नारियल पानी पाने से शरीर हाइड्रेट रहता है. इसमें इलेक्ट्रोलाइट्स पाए जाते हैं, जो वेट को कंट्रोल करने में मदद करते हैं. शरीर हाइड्रेटेड होने से कमजोरी फील नहीं होती. हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक्सरसाइज से पहले या बाद में नारियल पानी जरूर पीना चाहिए.

भूख कम करे

ज्यादा खाने की वजह से वजन तेजी से बढ़ जाता है. ऐसे में नारियल पानी काम आता है. इसमें मौजूद तत्व लंबे समय तक आपके पेट को भरा रखने में मदद करते हैं. इससे खाना ज्यादा नहीं होता है और वजन तेजी से कम होता है.

मेटाबॉलिज्म बढ़ाए

वेट लॉस करना है तो फैट मेटाबॉलिज्म दुरुस्त होना चाहिए. ऐसे में नारियल पानी में मौजूद कंपाउंड्स फैट मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में हेल्प करते हैं, जिससे ज्यादा कैलोरी बर्न होती है और वजन तेजी से कम होता है.

पाचन तंत्र दुरुस्त बनाए

नारियल पानी पीने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है. इससे खाना बेहतर तरीके से पचता है.

इससे शरीर को वे सभी जरूरी तत्व मिल जाते हैं, जो एक्स्ट्रा फैट को जमा नहीं होने देते हैं. जिससे वजन भी नहीं बढने पाता है.

पोषण मिलता है

नारियल पानी पोषक तत्वों का खजाना होता है. इसमें मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम और विटामिन सी जैसे जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं. ये सभी सेहत के लिए जबरदस्त फायदेमंद होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म में सुधार कर फैट आसानी से निकाल देते हैं.

गर्मियों में स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए केवल मइश्चराइजर नहीं होगा काफी, ऐसे रखें ख्याल

गर्मी आ गई है और साथ ही त्वचा की देखभाल को प्राथमिकता देने का भी समय आ गया है. खासकर, इस मौसम के साथ आने वाली ड्राइनेस को देखते हुए, केवल मॉइश्चराइजर लगाना काफी नहीं होगा. अधिक धूप हमारे शरीर को डिहाइड्रेट कर सकती है और ड्राई स्किन को बढ़ा दे सकती हैं. खासकर अगर त्वचा पर बहुत कठोर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किया गया तो. इसलिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस गर्मी में आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए क्या कर सकते हैं.

गर्मी में स्किन का कैसे रखें ख्यालरू

1. क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग (सीटीएम)रू सीटीएम का पालन करके शुरुआत करें, जिसमें आपकी त्वचा को एक उपयुक्त क्लींजर से साफ करना, उसके बाद टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग करना शामिल है.

2. एलोवेरा जेलरू स्टोर से खरीदे गए एलोवेरा जेल के बजाय घर पर बने एलोवेरा जेल को चुनें. धूप के संपर्क में आने से हुए काले धब्बों को हटाने और अपनी त्वचा को हाइड्रेट करने के लिए इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छी तरह से लगाएं.

3. विटामिन वाले फूड्सरू विटामिन सी और ई से भरपूर फूड आइटम्स खाएं, जैसे तरबूज, खीरे और गाजर को अपनी डाइट में शामिल करें. ये एंटीऑक्सीडेंट त्वचा की मरम्मत में सहायता करते हैं और हानिकारक सूरज की किरणों से बचाते हैं.

4. हाइड्रेटेड रहेंरू प्रतिदिन कम से कम दो लीटर पानी पीकर खुद को पर्याप्त मात्रा में हाइड्रेट करें. कैफीन और अल्कोहल का सेवन सीमित करें, क्योंकि वे बॉडी को डिहाइड्रेट करते हैं.

5. ग्लिसरीनरू त्वचा को साफ करने के लिए रोजाना ग्लिसरीन का इस्तेमाल करें, क्योंकि यह डैमेज्ड स्किन सेल्स को रिपेयर करता है और पूरे दिन नमी बनाए रखता है.

6. होठों की सुरक्षा करेंरू गर्मियों में यूवी किरणों से होने वाले नुकसान से बचने के लिए एसपीएफ 15 या इससे अधिक वाला लिप बाम लगाएं.

7. नारियल तेलरू हेल्दी ग्लो बनाए रखने के लिए नहाने से पहले अपने चेहरे पर नारियल तेल से मालिश करें.

8. मुलायम तौलिये का इस्तेमाल करें– त्वचा को जलन और ड्राइनेस से बचाने के लिए मुलायम, साफ सूती तौलिये का इस्तेमाल करें.

मनोज बाजपेयी की फिल्म साइलेंस 2 द नाइट आउल बार शूटआउट का ट्रेलर रिलीज

मनोज बाजपेयी की सस्पेंस–थ्रिलर फिल्म साइलेंस 2रू द नाइट आउल बार शूटआउट का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है. जिसमें एक्टर एक बार फिर एसीपी अविनाश वर्मा के किरदार में नजर आ रहे हैं. इसलिए फिल्म देखने के लिए फैंस का एक्साइटमेंट लेवल हाई हो गया है. खबरों के अनुसार मनोज बाजपेयी की ये फिल्म रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड है. जिसमें उनके साथ कई दिग्गज एक्टर नजर आएंगे. वहीं एक्ट्रेस प्राची देसाई भी इसमें अहम रोल निभा रही हैं.साइलेंस 2रू द नाइट आउल बार शूटआउट के ट्रेलर की शुरुआत एक शूटआउट से होती है. जिसकी जांच के लिए मनोज बाजपेयी लोकेशन पर पहुंचते हैं और फिर धीरे–धीरे फिल्म का कहानी आगे बढ़ती है. फिल्म में एक्शन और सस्पेंस के साथ मनोज बाजपेयी ने अपनी दमदार डॉयलॉग डिलीवरी से चार चांद लगाए हैं. वहीं प्राची देसाई भी पुलिस ऑफिसर के रोल में काफी जच रही हैं. ट्रेलर ने रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है.इस ट्रेलर का सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, घड़ी टिक–टिक कर रही है, तनाव बढ़ रहा है. शहर में अराजकता है और एक हत्यारा खुलेआम घूम रहा है. प्तसाइलेंस2 में एसीपी अविनाश और उनकी स्पेशल क्राइम यूनिट को एक उलझी हुई हत्या की गुत्थी सुलझाने में..देखें ट्रेलर अभी.मनोज बाजपेयी अविनाश वर्मा बनकर 3 साल बाद ओटीटी पर लौट रहे हैं. फिल्म को

लेकर बात करते हुए उन्होंने कहा था कि – अविनाश क्राइम की इस दुनिया में शांति और व्यवस्था कयाम करने के लिए हैं. मुझे उम्मीद है कि हम दर्शकों की उम्मीद पर खरे उतरेंगे. इस फिल्म के जरिए एक बार फिर से दर्शकों को इमोशनल अनुभव होगा. बता दें कि फिल्म 16 अप्रैल 2024 को जी5 पर रिलीज होगी. मनोज बाजपेयी इस फिल्म से पहले सीरीज शकिलर सूप्च में नजर आए थे. सीरीज में एक्टर का डबल रोल देखने को मिला था. ये एक डार्क कॉमेडी सीरीज थी.

जिसमें मनोज बाजपेयी के साथ–साथ कोंकणा सेन शर्मा जैसी उम्दा एक्ट्रेस भी नजर आई थीं. इस सीरीज को भी दर्शकों ने काफी ज्यादा पसंद किया था. वहीं अब वो साइलेंस 2च की रिलीज को लेकर एक्साइटिड हैं.

संजय लीला भंसाली की हीरामंडी को मिली रिलीज तारीख, 1 मई नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी वेब सीरीज

भारतीय सिनेमा के जाने–माने निर्देशक संजय लीला भंसाली वेब सीरीज हीरामंडीरू द डायमंड बाजार के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। यह सीरीज पिछले लंबे समय से चर्चा में है।हीरामंडी ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने को तैयार है। अब निर्माताओं ने सीरीज की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।हाल ही में एक कार्यक्रम ने निर्माताओं ने खुलासा किया कि हीरामंडी का प्रीमियर 1 मई, 2024 से होगा।

हीरामंडी मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शर्मिन सहगल जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों से सजी है।इस सीरीज की कहानी संजय ने मिताक्षरा कुमार, विभु पुरी, स्नेहिल दीक्षित मेहरा, मोईन बेग और दिव्य निधि शर्मा के साथ मिलकर लिखी है।हीरामंडी प्यार, ताकत और आजादी की जंग के बीच जूझने वाली हीरामंडी की तवायफों की कहानी है।इससे पहले भंसाली देवदास और गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्मों के जरिए तवायफों के जीवन को दिखा चुके हैं।

हीरामंडी के अलावा भंसाली मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म लव एंड वॉर को लेकर चर्चा में हैं।इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की जोड़ी नजर आएगी। विक्की कौशल भी इस फिल्म का अहम हिस्सा होंगे।यह फिल्म अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। भंसाली की यह फिल्म युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प प्रेम कहानी होगी।इस साल नवंबर से भंसाली इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

उर्वशी रौतेला की जेएनयू की रिलीज तारीख टली, नया पोस्टर भी आया सामने

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जेएनयू को लेकर खबरों का हिस्सा बनी हुई हैं। इस फिल्म के जरिए वह लंबे समय बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं।दिग्गज अभिनेता रवि किशन भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मि देसाई भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म में सिद्धार्थ बोडके, पीयूष मिश्रा, सोनाली सहगल और विजय राज जैसे कलाकार भी शामिल हैं. अब जेएनयू के लिए आपको लंबा इंतजार करना होगा। दरअसल, निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को टाल दिया है। जेएनयू पहले 5 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। फिलहाल निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को टाल दिया है। नई तारीख का ऐलान जल्द होगा। जेएनयू के निर्देशन की कमान विनय शर्मा ने संभाली है तो वहीं प्रतिमा दत्ता फिल्म की निर्माता हैं।इस फिल्म में पीयूष मिश्रा, विजय राज, अतुल पांडे और सोनाली सेगल जैसे सितारे भी अभिनय करते दिखाई देंगे। जेएनयू का नया पोस्टर भी सामने आ चुका है। विनाय शर्मा द्वारा निर्देशित और प्रतिमा दत्ता द्वारा निर्मित, फिल्म जेएनयू काफी समय से सुर्खियों में है. फिल्म की कहानी और कलाकारों की स्टारकास्ट को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है. हालांकि, रिलीज टलने से फैंस को थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है. उम्मीद की जाती है कि मेकर्स जल्द ही फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर देंगे.

बाक्स आफिस पर फिल्म क्रू की दैनिक कमाई में गिरावट जारी

कृति सैनन, तब्बू और करीना कपूर की फिल्म क्रू इन दिनों सिनेमाघरों में दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रही है। दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी फिल्म में मेहमान भूमिका में हैं।कॉमेडी से भरपूर से इस फिल्म में तमाम सितारों की उम्दा अदाकारी और

इसकी कहानी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। पहले तीन दिन शानदार कारोबार करने के बाद चौथे दिन से फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। क्रू की कमाई के पांचवें दिन के आंकड़े भी सामने आए हैं, जो अब तब का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को इस फिल्म ने 3.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 37.20 करोड़ रुपये हो गया है।महज पांच दिन में दुनियाभर में इस फिल्म ने 70.73 करोड़ रुपये से अधिक कमा लिए हैं। क्रू का निर्देशन राजेश ए कृष्णन ने किया है। क्रू की कहानी कोहिनूर एयरलाइंस में काम करने वाली 3 एयर होस्टेस गीता सेठी (तब्बू), जैस्मिन राणा (करीना) और दिव्या बाजवा (कृति) के इर्द–गिर्द घूमती है। इन तीनों को अपने जीवन की कठिनाइयों से निपटने के लिए ऐसे काम करने पर मजबूर किया जाता है, जिनसे वे नफरत करती हैं।तीनों की जिंदगी में आफतों का तूफान तब आता है, जब एयरलाइंस दिवालिया हो जाती है और बाकी क्रू सदस्यों के साथ ही उन्हें भी पैसों की किल्लत होती है।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आरजे करिश्मा जिसकी वीडियो का हर कोई है फैन!

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आए दिन कई सारी वीडियोज आती रहती हैं। ये एक ऐसी जगह है जहां लोग अपना टेलेंट शो करते हुए नजर आते हैं। वहीं उनमें से कुछ लोगों का कंटेंट लोगों को इस कदर पसंद आ जाता है कि उनकी वीडियो अपलोड होते ही वायरल होने लगती हैं। ऐसी ही एक कंटेंट क्रिएटर हैं आरजे करिश्मा उनके वीडियोज भी काफी ज्यादा मजेदार होते हैं और लोगों को काफी पसंद भी आता है।आरजे करिश्मा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं और आए दिन अपने नए–नए मजेदार वीडियोज फैंस के बीच शेयर कर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो कोई भी वीडियोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। हालांकि उनका

मसाला भरा कंटेंट और मनोरंजन वाला अंदाज देखने के लिए हर कोई बेताब रहता है। आरजे करिश्मा ने कई ऐसे कंटेंट बनाएं हैं जिसे फैंस ने खूब पसंद भी किया है, जैसे भाई–बहन के झगड़े को लेकर, पति–पत्नि को लेकर, मां–बेटी के बीच की नोंक–झोंक को लेकर और फ्रेंड्स के रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर जिनपर काफी लोगों ने लाइक्स भी किए हैं। बता दें कि आरजे करिश्मा का सोशल मीडिया पर मजाकिया वीडियो देखकर ये साफ झलकता है कि वो खुद भी खुश रहना पसंद करती हैं और दूसरों को भी हंसाने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं।आरजे करिश्मा इंदौर की रहने वाली हैं और वो एक रेडियो स्टेशन में रेडियो जॉकी हैं। वो काफी वक्त से अलग–अलग कंटेंट पर वीडियो बना रही हैं। उन्होंने पैनडेमिक के समय ये वीडियोज बनाना स्टार्ट किया था।एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर जब भी अपनी वीडियोज शेयर करती हैं तो लाखों फैंस उनकी वीडियो पर जमकर कॉमेंट्स और लाइक्स करते हैं।उनका इंस्टाग्राम पर आरजे करिश्मा नाम से अकाउंट है। उन्हें इंस्टा पर 7 मिलियन यूजर्स फॉलो करते हैं।

रवि किशन स्टारर मामला लीगल है सीजन 2 की घोषणा, नेटफ्लिक्स ने शेयर किया

नेटफ्लिक्स ने आखिरकार कोर्टरूम कॉमेडी ममला लीगल है के दूसरे सीजन की घोषणा कर दी है। मुख्य भूमिका में रवि किशन अभिनीत, इसका उद्घाटन सीजन हिट रहा है। ऐसे में, सीजन 1 जो 1 मार्च 2024 को रिलीज हुआ था, अब उसका दूसरा सीजन भी आने वाला है। नेटफ्लिक्स ने आखिरकार कोर्टरूम कॉमेडी ममला लीगल है के दूसरे सीजन की घोषणा कर दी है। मुख्य भूमिका में रवि किशन अभिनीत, इसका उद्घाटन सीजन हिट रहा है। ऐसे में, सीजन 1 जो 1 मार्च 2024 को रिलीज हुआ था, अब उसका दूसरा सीजन भी आने वाला है। नेटफ्लिक्स ने अभी तक ममला लीगल है सीजन 2 की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है लेकिन ओटीटी प्लेटफॉर्म के इंस्टाग्राम पेज ने एक घोषणा वीडियो साझा किया है।ममला लीगल है सीजन 1 रिलीज होते ही हिट हो गया। यह 2024 की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली वेब श्रृंखला में से एक बन गई है। पटपड़गंज जिला न्यायालय की काल्पनिक सीमाओं के भीतर सेट, आठ–एपिसोड की श्रृंखला विचित्र मामलों और अजीब ग्राहकों का प्रतिनिधित्व करने वाले अपने विलक्षण वकीलों की आंखों के माध्यम से कानून की असली दुनिया की खोज करती है।

सलमान खान के शो बिग बास 18 में एंट्री लेंगी आशी सिंह ? टीवी एक्ट्रेस ने किया खुलासा

सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाला रियलिटी शो बिग बॉस 18 सुर्खियों में बना हुआ है. इस शो में जाने वाले कंटेस्टेंट के नाम भी लगातार सामने आ रहे हैं. मेकर्स लगातार सेलेब को अप्रोच कर रहे हैं. हाल ही खबर आई है कि मेकर्स ने टीवी एक्ट्रेस आशी सिंह को अप्रोच किया है. अब एक्ट्रेस ने इस अफवाह पर चुप्पी तोड़ी है. बिग बॉस 18 को फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे है. इस शो में आकर कई सेलेब्स ऐसे हैं जिन्हें खास पहचान मिली. वहीं कुछ स्टार्स ने इस शो में आने के बाद अपने करियर की सबसे बड़ी गलती बताया था. अब रिपोर्ट्स के अनुसार सलमान खान के शो में मीत फेम आशी सिंह एंट्री ले सकती हैं. आशी टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस में से एक हैं. अब एक्ट्रेस ने शो में जाने को चुप्पी तोड़ी है उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस शो में बहुत ही लड़ाई–झगड़ा है. मुझे नहीं पता कि मैं कभी बिग बॉस करुंगी क्योंकि मेरा नेचर बहुत ही शांत है. मैं कभी भी अपने घरवालों से दूर नहीं रही हूं और मुझे नहीं पता कि परिवार के बिना शो में मैं रह भी पाउंगी या नहीं. आशी ने एक और कारण भी बताया कि क्यों वह रियलिटी शो से दूर रहना ही बेहतर समझती हैं. उन्होंने कहा, जब भी उनका कोई बुरा दिन होता है, तो वह इसे अपनी मां और दोस्तों के सामने जाहिर करती हैं और अगले दिन वह एक नए दिमाग के साथ शुरुआत करती हैं. हालांकि, बिग बॉस के घर में अगर उनका झगड़ा हुआ तो वह अजनबियों के सामने खुलकर बात नहीं कर सकती है. आशी ने कहा कि उनके मन में उन लोगों के लिए बहुत सम्मान है जो बिग बॉस में जा चुके हैं या जाने वाले हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नहीं लगता कि वह इस इस रियलिटी शो में हिस्सा ले सकती हैं

थम्मुडु के बाद नितिन की नई फिल्म राबिनहुड का किया ऐलान फर्स्ट लुक भी जारी

हीरो नितिन अपनी अगली रिलीज में रॉबिनहुड के रूप में रोमांचित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन वेंकी कुदुमुला कर रहे हैं, जिन्होंने पहले उन्हें ब्लॉकबस्टर भीष्म प्रदान की थी। मैथरी मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस हास्यपूर्ण एक्शन एडवेंचर के टीजर में अभिनेता एक डाकू के रूप में दिखाई दिए। वेंकी कुदुमुला ने निथिन के चरित्र को अपनी तरह के पहले तरीके से दिखाया। नितिन के 41वें जन्मदिन के खास मौके पर रॉबिनहुड के निर्माता एक नया पोस्टर लेकर आए हैं। फिल्म में ट्रेंडी लुक में नजर आने वाले नितिन ने बर्थडे स्पेशल पोस्टर में अपना बेजोड़ स्वैग और स्टाइल दिखाया है। ब्लूटूथ डिवाइस पर बात करते हुए और शानदार ढंग से चलते हुए, नितिन को अपनी पैंट में हथियार डाले हुए देखा जाता है। वह एक एजेंट की तरह दिखता है और टी–शर्ट पर नाम लिखा है एजेंट आरएच (रॉबिनहुड)। ब्लैक शेड्स और घड़ी पहने नितिन पोस्टर में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। नितिन के प्रशंसकों के लिए यह एक सुखद आश्चर्य है।

नवीन यरनेनी और वाई रविशंकर फिल्म के निर्माता हैं जिसमें विभिन्न शिल्पों का ध्यान रखने वाले शीर्ष तकनीशियन होंगे। फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जीवी प्रकाश कुमार का संगीत है, जिन्होंने झलक के लिए आकर्षक स्कोर प्रदान किया है। साई श्रीराम सिनेमैटोग्राफी संभालते हैं, जबकि प्रवीण पुडी संपादक हैं और राम कुमार कला निर्देशक हैं। फिल्म में नाता किरीटी राजेंद्र प्रसाद और वेनेला किशोर अहम भूमिका निभा रहे हैं।

करण जौहर की किल को मिली रिलीज तारीख, बालीवुड में कदम रखने को तैयार लक्ष्य लालवानी

करण जौहर ने अपने प्रोडक्शन की अगली फिल्म किल की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म का पोस्टर साझा किया और फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा भी किया। निखिल नागेश भट्ट द्वारा निर्देशित इस फिल्म में लक्ष्य लालवानी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म इस साल जुलाई के महीने में भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

करण जौहर ने पोस्टर साझा करते हुए खुलासा किया कि किल पांच जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के पोस्टर में लक्ष्य लालवानी के चेहरे पर घाव हैं और गर्दन पर

चाकू रखा है। उनका लुक खतरनाक और इंटेंस है। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, खून, खून और खून। हम आपके लिए इस बेहतरीन फिल्म को प्रदर्शित कर रहे हैं । किल भारत में जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में।इस फिल्म का प्रीमियर पिछले साल टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के मिडनाइट मैडनेस सेक्शन में हुआ था। किल उन दस में से एक थी, जिसे प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में प्रदर्शन के लिए चुना गया था। एक इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से खबर की पुष्टि करते हुए फिल्म निर्माता ने एक्शन फिल्म का पहला लुक जारी किया था। फिल्म के कलाकारों में तान्या मानिकतला और राघव जुयाल भी शामिल हैं। निखिल नागेश भट्ट को हुरदंग के निर्देशन के लिए जाना जाता है, जिसमें सनी कौशल, विजय वर्मा और नुसरत भरुचा ने अभिनय किया था। लक्ष्य लालवानी ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर इस खबर की घोषणा की। इंडस्ट्री के उनके दोस्तों ने इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। जान्हवी कपूर ने लिखा, आपके लिए बहुत उत्साहित हूं। वहीं तारा सुतारिया ने कहा, बधाई हो और इसे मार (किल) डालो।

अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ की बडे मियां छोटे मियां को मिला यूए सर्टिफिकेट, जानिए रनटाइम क्या है?

अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर बड़े मियां छोटे मियां ने अपने गानों और ट्रेलर रिलीज से फैंस को उत्साहित कर दिया है। अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित यह फिल्म साल 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है।अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर बड़े मियां छोटे मियां ने अपने गानों और ट्रेलर रिलीज से फैंस को उत्साहित कर दिया है। अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित यह फिल्म साल 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह दर्शकों को मनोरंजन का फुल डोज देने का वादा करती है। इस बीच फिल्म की सेंसरिंग भी पूरी हो चुकी है। इसके अलावा फिल्म के सर्टिफिकेशन और रनटाइम का भी खुलासा किया गया है। बड़े मियां छोटे मियां को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा यूए प्रमाणपत्र के साथ सेंसर कर दिया गया है। इसका मतलब यह है कि फिल्म अप्रतिबंधित है लेकिन 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए माता–पिता के विवेक संबंधी सलाह के साथ है। बड़े मियां छोटे मियां और मैदान का रनटाइम बड़े मियां छोटे मियां को 2 घंटे 43 मिनट 41 सेकंड के रनटाइम के साथ सेंसर किया गया है। किसी एक्शन फिल्म को व्यापक मनोरंजक फिल्म माने जाने में अभी भी काफी समय है। फिल्म के लिए रनटाइम अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह ईद पर अजय देवगन अभिनीत एक और बड़ी फिल्म मैदान के साथ टकरा रही है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024
sheelshukla100@gmail.com

जिलाधिकारी के मानवीय पहल, आगजनी से पीड़ित परिवार को दिए डेढ़ लाख रुपये

21 अप्रैल को है बेटी की शादी, गृहस्थी की समस्त सामग्री हुई थी खाक

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह ने एक मानवीय पहल की है, जिसकी हर–तरफ चर्चा हो रही है। डीएम की इस पहल से न केवल एक बेटी की शादी होगी बल्कि आगजनी में नष्ट हुई गृहस्थी की भी भरपायी संभव होगी। भोला, निवासी ग्राम अहिरौली, ब्लाक रामपुर कारखाना मजदूरी करके अपना गुजारा करते हैं। उनकी चार पुत्रियां एवं एक बेटा है। गत एक अप्रैल को भोला के घर आग लगी थी जिसमें उसकी गृहस्थी की सामग्री जलकर खाक हो गई थी। धान, गेहूं, साइकिल मशीन, कपड़ा, दैनिक उपयोग की सभी वस्तुएं जल गई थी। इसके अलावा 21 अप्रैल को भोला की तीसरी बेटी की शादी तय है। घर में शादी की तैयारियों से जुड़ी सामग्री, उपहार व नकदी भी आग की भेंट चढ़ गई। उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि इस विपत्ति का सामना कैसे करे। गांव के प्रबुद्ध लोगों ने उसकी कुछ तात्कालिक मदद की लेकिन, ये नाकाफी थी। ऐसे में उसे जिलाधिकारी का सहारा मिला। विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबर के माध्यम से प्रकरण जिलाधिकारी की संज्ञान में आया। जिलाधिकारी ने प्रकरण को संवेदनशीलता के साथ लिया और संवेदनात्मक पहल की, जिस पर जनसहयोग से डेढ़ लाख रुपये एकत्र हुए, जिसे आज डीएम ने कमलेश पुत्र भोला को ग्राम प्रधान मोहम्मद

इमरान की उपस्थिति में सौंपा। डीएम ने कमलेश को उसकी बहन की शादी के लिए शुभकामना दी और उसे हर संभव सहयोग के लिए आश्वस्त किया। कमलेश ने इस सहयोग के लिए डीएम का आभार व्यक्त किया और 21 अप्रैल को होने वाली शादी में शामिल होने के लिए निमंत्रण भी दिया।

डीएम एवं एसपी ने लोकसभा निर्वाचन डयूटी में लगाए गए प्रभारी अधिकारियों, सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ की बैठक

निर्वाचन संबन्धी कार्यदायित्वों के प्रति सजग रहे अधिकारीरू डीएम

ब्यूरो अंकित वर्मा

देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारीधजिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा की उपस्थिति में लोकसभा निर्वाचन डयूटी में लगाए गए प्रभारी अधिकारियों, सहायक प्रभारी अधिकारियों की समीक्षा बैठक देर सायं विकास भवन स्थित गांधी सभागार में आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने कहा कि सभी अधिकारियों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। भारत निर्वाचन आयोग की मंशानुरूप शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष, भयमुक्त एवं सकुशल चुनाव संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन से जुड़े कार्यदायित्वों के निर्वहन में लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जनपद में 1575 मतदान केंद्रों पर 2514 बूथ बनाये गए हैं, जिनमें से 1322 बूथों पर वेबकास्टिंग की जाएगी। सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुनिश्चित सुविधा उपलब्ध कराई जाएंगी। मतदान केंद्रों पर स्वच्छ शौचालय, पेयजल, छायादार स्थल, रैंप, व्हीलचेयर, संपर्क मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, चार्जिंग पॉइंट, पंखा एवं फर्नीचर इत्यादि की उपलब्धता सभी संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। इस बार जून की संभावित गर्मी को देखते हुए सभी मतदान केंद्रों पर लू–हेल्प डेस्क बनाने के निर्देश भी डीएम ने दिया। डीएम ने मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण के संबन्ध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति बनाने के निर्देश दिए। कहा कि पिछले चुनाव में जिन 60 मतदान केंद्रों पर कम मतदान हुआ था वहां विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। बुलावा टोली के गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। सभी अधिकारियों का दायित्व है कि अपनी–अपनी निर्धारित निर्वाचन डयूटी के अनुसार समय रहते पूरी तरह से अपने कार्यों से भली भांति परिचित होते हुए सम्पूर्ण तैयारी बना लें, जिससे

कार्य के दौरान असहज स्थिति न उत्पन्न हो। जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने–अपने कार्य के संबंध में तत्काल कार्रवाई प्रारंभ करते हुए अपने कार्य को पूर्ण कराएं ताकि चुनाव के दौरान समस्त चुनाव के कार्य निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप समय के साथ संपन्न हो सकें। एडीएम प्रशासन ने मतदानध्मतगणना कार्मिक, ईवीएम, लेखन सामग्री, डाक मतपत्र, कन्ट्रोल रूम का संचालन, एमसीएमसी, स्ट्रॉग रूम, खान–पान, टेन्ट फर्नीचर, सूचना का आदान–प्रदान, दूरसंचार की व्यवस्था, प्रेक्षक व्यवस्था आदि से सम्बंधित समस्त व्यवस्थाओं पर अबतक की गई तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने नियुक्त अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। बैठक में सीडीओ प्रत्यूष पांडेय सीएमओ डॉ राजेश झा, एडीएम वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार राय, मुख्य राजस्व अधिकारी जेआर चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्रनाथ चौधरी, वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल पांडेय, एसडीएम सदर विपिन द्विवेदी, एएसडीएम अवधेश निगम, जिला विकास अधिकारी रविशंकर राय, डीपीआरओ सर्वेश पांडेय, बीएसए शालिनी श्रीवास्तव, डीपीओ कृष्णकांत राय, डीएसओ संजय पांडेय सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद थे।

परिक्रमा मार्ग में गुटखा–तम्बाबू निषेध, हटाएं अतिक्रमण

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम अभिषेक आनन्द एवं एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में चौत्र मास की सोमवती अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराने को लेकर मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के अधिकारियों के साथ बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

डीएम ने कहा कि आठ अप्रैल को चौत्र मास की सोमवती अमावस्या मेला का पर्व है। यह मेल सात से नौ अप्रैल तक चलेगा। मेला क्षेत्र 3 जोन, 12 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी व अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देश दिए कि अच्छी तरह से साफ सफाई कराई जाए। अन्ना पशु न घूमने पाएं। ईओ, यातायात प्रभारी को निर्देश दिए कि वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था के लिए जगह चिन्हित करें। जिला खनिज अधिकारी से कहा कि भारी वाहनों को मेला के दौरान प्रतिबंधित रखा जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता जल संस्थान से कहा कि गर्मी को देखते हुए रामघाट परिक्रमा मार्ग में श्रद्धालुओं के

लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जाए। पार्किंग स्थानों पर भी टैंकर रहे। उप जिलाधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परिक्रमा मार्ग का अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए। पान, गुटखा पर पूर्णतया प्रतिबंध रहना चाहिए। सीएमओ से कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्थाएं रहें। खाद्य सामग्री की सैंपलिंग कराई जाए। जिला पूर्ति अधिकारी से कहा कि गैस सिलेंडर जो दुकानदार प्रयोग कर रहे हैं उनके खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही करें। अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि मेला के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत व्यवस्था कराई जाए। अधिशासी अधिकारी से कहा कि जनरेटर की भी व्यवस्था रहेगी। फायर सर्विस व्यवस्था रहे। एसडीएम व सीओ से कहा कि क्षेत्र के थानाध्यक्षों को निर्देश दें कि किसी भी स्थिति में मेला के दौरान ट्रैक्टर ट्राली से तीर्थ यात्री न आए। सभी रास्तों पर निगरानी रखें। उन्होंने सहायक अभियंता सिंचाई से कहा कि रामघाट मंदाकिनी नदी पर नाव, गोताखोर, बैरीकेडिंग कराएं।डीएम–एसपी ने मध्य प्रदेश के अधिकारियों से कहा कि पीली कोठी के रास्ते पर वाहन न खड़े होने पाए। रामघाट व परिक्रमा मार्ग पर पान तंबाकू गुटखा पर भी रोक लगाईं जाए। उन्होंने कहा कि मेला के दौरान उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के अधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर मेला को सकुशल संपन्न कराएंगे। भीड़ बढ़ती है तो डायवर्जन की भी व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। एआरटीओ व टीआई को सख्त निर्देश दिए कि स्पीड एवं अधिक सवारी भरकर वाहन किसी भी दशा पर न चलें। अभियान चलाकर कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोमवती अमावस्या मेला को सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है जो सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारी ड्यूटी में लगाए गए हैं वह समन्वय स्थापित कर दायित्व निभाएं। बैठक में एडीएम उमेश चंद्र निगम, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीएमओ डॉ. भूपेश द्विवेदी, एसडीएम मझगवां मप्र जेके वर्मा, सदर एसडीएम सौरभ यादव, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश कुमार पाठक, राजापुर प्रमोद कुमार झा, टीआई नयागांव सतना मप्र पंकज शुक्ला आदि मौजूद रहे।

जाके प्रिय न राम वैदेही, ताकों वोट कदापि न देहीं– प्रकाश

–जेल की सलाखों में होंगें भ्रष्टाचारी

–भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष ने विपक्षी दलों पर किया हमला,

बोले–चार सौ के पार, तीसरी बार नरेन्द्र मोदी बनेंगें पीएम

चित्रकूट(आरएनएस)। बुन्देलखंड कानपुर प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली के सीएम केजरीवाल से लेकर विपक्ष के सभी नेता भ्रष्टाचारी है। भ्रष्टाचार करने वाले जेल की सलाखों में होंगें। आगामी लोस चुनाव में चार सौ सीटें पाकर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार पीएम बनेंगें। यह बात गुरुवार को सीतापुर स्थित टूरिस्ट गेस्ट हाउस में भाजपा के बुन्देलखंड कानपुर प्रांत के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने पत्रकारों से रूबरू होकर कही। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सीएम केजरीवाल भ्रष्टाचार को लेकर अन्ना हजारे के साथ एक कार्यकर्ता के रूप में शामिल होकर साफ सुथरी राजनीति का हवाला देकर सीएम बने और अब शराब के घोटाले में जेल में बंद हैं। उन्होंने कांग्रेस, बसपा व सपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि मोदी सरकार में कोई भी भ्रष्टाचार करने वाला नहीं बचेगा। जेल की सलाखों में ऐसे लोगों की जगह होगी। जनता आगामी लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाएगी। चुटकी लेते हुए कहा कि हरिवंशराय बच्चन की लिखी मधुशाला में कहा गया है कि मेल कराती मधुशाला तो अब सभी भ्रष्टाचारियों का जेल में मेल हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता कला और नारी शक्ति का अपमान करते है। कांग्रेस नारी शक्ति के विरुद्ध है। संदेशखाली का संदेश चुप क्यों है। दिल्ली में इंडिया गठबंधन ने भ्रष्टाचार का मेडल प्रदर्शित किया। बेशर्मी के साथ जेल गए केजरीवाल के समर्थन में सारे भ्रष्टाचारी एक मंच पर आ गए हैं। उन्होंने बताया कि मोदी जी का कहना है भ्रष्टाचार हटाओ, जबकि इंडिया गठबंधन का कहना है भ्रष्टाचारियों को बचाओ। 2017 के विधानसभा चुनाव में भी दो लड़के जोरशोर से आए थे। परिणाम सबने देखा। जनता ने तय कर रखा है जाके प्रिय न राम वैदेही, ताकों वोट कदापि न देहीं। इस बार चार सौ के पार सीटों पर विजय मिलेगी। इस मौके पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल यादव, भाजपा प्रत्याशी आरके सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, भागवत त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित ग्रामीण सिखाएंगें सबक

राजापुर (चित्रकूट)(आरएनएस)। ब्लाक पहाड़ी अन्तर्गत ग्राम पंचायत चनहट की आबादी के हिसाब से मूलभूत समस्याओं को लेकर चुनावी चौपाल में चर्चा का विषय बना रहा। सबसे बड़ा मुद्दा वाल्मीकि नदी चनहट के रपटा में बरसात के समय जलभराव का उठाया गया। जिससे राजापुर बूढा मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। इस पर किसी भी पार्टी के कोई जनप्रतिनिधियों ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। जबकि हर चुनाव में यह मुद्दा बनता रहा है।

चनहट के ग्रामीण धर्मेंद्र पाण्डेय, रविकरन सिंह, अवनीश श्रीवास्तव ने बताया कि विधानसभा व लोकसभा के चुनाव में जनप्रतिनिधियों से वाल्मीकि नदी चनहट का रपटा निचला होने के कारण बरसात के मौसम में रपटे में पानी भरने के संबंध में अवगत कराया जाता है। मार्ग में आने वाले गाँव अनीपुर, कछिया, गनींवा, ब्यासबन्ना, गड़वारा, चनहट व राजापुर आदि गाँवों के लोगों का एक ही राजापुर बूढा मार्ग है। नदी के उफान के चलते रपटे में इस कदर पानी भर जाता है कि कई कई दिनों तक रपटे के ऊपर से पानी बहता है। आवागमन अवरुद्ध हो जाता है। यह मुद्दा ग्रामीणों के लिए लम्बे समय से जटिल बना हुआ है। इस मुद्दे के निराकरण के लिए जनप्रतिनिधि बिल्कुल अनजान बने हुए हैं। प्रमोद सिंह, छोटेलाल, बुद्धप्रकाश विश्वकर्मा ने चर्चा में बताया कि राजापुर बूढा मार्ग की सड़क कुछ जगह उखड़ गई है।

एसएपी फोर्स का बार्डर पर किया स्वागत

चित्रकूट(आरएनएस)। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में बीती रात सीओ मऊ जयकरन सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक बरगढ़ राकेश कुमार मौर्य ने आगामी लोकसभा चुनाव को शान्तिपूर्ण और भयमुक्त सम्पन्न कराए जाने के लिए जनपद को आवंन्टित मणिपुर एसएपी फोर्स का चित्रकूट–प्रयागराज बॉर्डर पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। तत्पश्चात सभी जवानों को भोजन कराकर मानिकपुर के लिये रवाना किया गया। थाना मानिकपुर अन्तर्गत फायर सर्विस के आवासीय परिसर में ठहराए गए। फोर्स द्वारा पुलिस के साथ समस्त थाना क्षेत्रों के विभिन्न ग्रामों में भ्रमण कर एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान एसआई राधेश्याम सिंह, पवन प्रधान आदि मौजूद रहे।

तीन दिन से पानी को तरस रहे कस्बावासी

पहाड़ी (चित्रकूट) (आरएनएस)। जल संस्थान की उदासीनता के चलते तीन दिन से बूंद–बूंद पानी को कस्बावासी तरस रहे है। पानी की टंकी सफेद हांथी साबित हो रहे हैं।गर्मी की शुरुआत हुई नहीं कि कस्बा पहाड़ी की करीब बारह हजार की आबादी तीन दिनों से बूंद–बूंद पानी को तरसने लगी। जल संस्थान के माध्यम से पानी की सप्लाई की जाती है, लेकिन गर्मी के मौसम आते ही सप्लाई अचानक हफ्तो के लिए बंद हो जाती है। तब पीने के पानी के लिए त्राहि–त्राहि मची रहती है। कस्बा के पुराने कुएं सूख गए है। गांव अन्दर हैंडपंप का पानी खारा निकलता है। जिसे जानवरों को तो पिलाया जा सकता है लेकिन आदमी के पीने लायक नहीं है। कस्बा के तालाब अस्तित्व खो चुके हैं। तालाब के भीटो पर मकान बन जाने से घरो के मलमूत्र के पाइप लाइन तालाब में जाने से तालाबो का पानी दूषित हो चुके हैं।

स्टाम्प वाद प्रकरण का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम अभिषेक आनन्द ने गुरुवार को तहसील कर्वी के अंतर्गत ग्राम पंचायत खोह व सेमरिया जगन्नाथवासी के मौजा बाबूपुर चकला में स्टांप वाद से संबंधित प्रकरणों का स्थलीय निरीक्षण किया। सब रजिस्ट्रार कर्वी को निर्देश दिए कि सत्यापन कराएं। अगर इन विलेखों में स्टांप कमी पाई जाए तो उस पर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। इस दौरान सदर एसडीएम सौरभ यादव, सब रजिस्ट्रार कर्वी राजेश सिंह, खोह लेखपाल लाल बहादुर सिंह, सेमरिया जगन्नाथवासी लेखपाल राजेश कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

वकील को मारपीट कर लूटी सोने की चौन–नकदी

चित्रकूट(आरएनएस)। तहसील से घर आ रहे अधिवक्ता के सामने वाहन लगाकर मारापीटा और दस हजार रुपए व चौन लूट लिया। पीड़ित वकील की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के नामजद रिपोर्ट दर्ज कर मेडिकल परीक्षण कराया है। इस संबंध में थाना प्रभारी ने कहा कि जांच की जा रही है।मारपीट कर लूट की घटना मानिकपुर थाना क्षेत्र के बाई के कुआ के समीप बीती शाम हुई। ऐचवारा गांव निवासी पीड़ित अधिवक्ता गोविन्द तिवारी पुत्र जर्नादन प्रसाद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा कि गांव के अवधि किशोर के साथ बाइक से तहसील मानिकपुर से वापस घर आ रहे थे। तभी खरौंध गांव के दिवाकर मिश्रा, रविकांत द्विवेदी, शिव व रंजन घात लगाए खड़े थे। जैसे ही वह पहुंचे तो सामने बाइक रोक कर मारापीटा और दस हजार रुपए, गले में पहने सोने की चौन लूट लिया। पीड़ित ने कार्यवाही की मांग की है। इस पर पुलिस ने चारो नामजद आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर मेडिकल परीक्षण कराया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज किया है। जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

12 लाख 70 हजार नकदी व तमंचा के साथ पकड़ा

चित्रकूट (आरएनएस)। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराने सहित अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक सरधुवा आशुतोष तिवारी ने टीम के साथ चेकिंग के दौरान लमियारी बैरियर से रामस्वरुप शुक्ला पुत्र स्व रामचन्द्र शुक्ला निवासी गड़ौली को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। तलाशी से कब्जे से 12 लाख 70 हजार रुपये बरामद हुये। बरामद रुपये कब्जे में लेते हुए पुलिस ने अग्रेतर विधिक कार्यवाही के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं आयकर विभाग को अवगत कराया है।

भाई को पीटने के मामले में दम्पति को हुई सजा

चित्रकूट। भाई के साथ मारपीट कर मरणासन्न करने वाले आरोपी पति–पत्नी को न्यायालय ने चार वर्ष के कारावास व नौ–नौ हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।अपर जिला शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बताया कि 30 जुलाई 2018 को वादी रामसुफल पुत्र माता प्रसाद निवासी लक्ष्मीपुर थाना मऊ ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वादी के अनुसार भाई राजकुमार उर्फ ननबूद ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मारपीट कर गालीगलौज एवं जान से मारने की धमकी दी थी। मारपीट से गंभीर चोटे आई। पुलिस ने आरोपी दम्पति को गिरफ्तार कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया था। अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम ने अभियुक्त राजकुमार उर्फ ननबुद विश्वकर्मा पुत्र माता प्रसाद विश्वकर्मा व ललिता देवी पत्नी राजकुमार को 4–4 वर्ष का कारावास व 9–9 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

पेट दर्द से वृद्ध की मौत, आठ मरीज भर्ती

चित्रकूट। जिला अस्पताल में खांसी, जुकाम, बुखार व पेट दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ी है। गुरुवार को बुखार व पेट दर्द के चलते वृद्ध की मौत हो गई। जबकि आठ मरीज भर्ती हुए।

मतदाता सेल्फी प्वाइंट और हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारंभ

चित्रकूट (आरएनएस)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन में मतदान प्रतिशत बढ़ाये जाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार के लिए गुरुवार को तहसील प्रांगण कर्वी में मतदाता सेल्फी पॉइंट, मतदाता हस्ताक्षर अभियान का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर ने फीता काटकर किया। इसी प्रकार मानिकपुर, राजापुर, व मऊ तहसीलों में भी शुभारंभ हुआ। जनपद की चारों तहसीलों में जनसामान्य को 20 मई को अधिक से अधिक संख्या में अपने बुथों में जाकर मतदान करने के लिए प्रेरित करने को अभियान चलाया गया है। हस्ताक्षर करते हुए संकल्प लें कि मतदान तिथि को मतदान अवश्य करेगें। साथ ही सेल्फी पॉइंट में फोटो खींच कर अपने अपने सोसल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इस अवसर पर सदर एसडीएम सौरभ यादव, प्रशिक्षु एसडीएम आलोक सिंह, तहसीलदार वाचस्पति सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, शिक्षक सुरेश प्रसाद, लालमन आदि मौजूद रहे।

239 वाहन चालकों पर 5 लाख 41 हजार का जुर्माना

चित्रकूट(आरएनएस)। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें यातायात नियमों का उल्लघंन कर यात्रा करने वाले कुल 239 वाहनों पर 5,41,000 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। इस दौरान 136 वाहन सीज हुए। वाहन चालकों को जागरूक करते हुए बताया गया कि सड़क पर यात्रा करते समय नियमों का पालन अवश्य करें। पुलिस सुरक्षा के लिए है। किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो पइसके लिए यातायात नियमों का पालन करना जरूरी है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।